केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

सपने देखने वालों को रात छोटी लगती है और सपना पूरा करने वालों को दिन छोटा लगता है

वर्ष : 16 अंक : 171 | उज्जैन, सोमवार 01 दिसंबर 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ

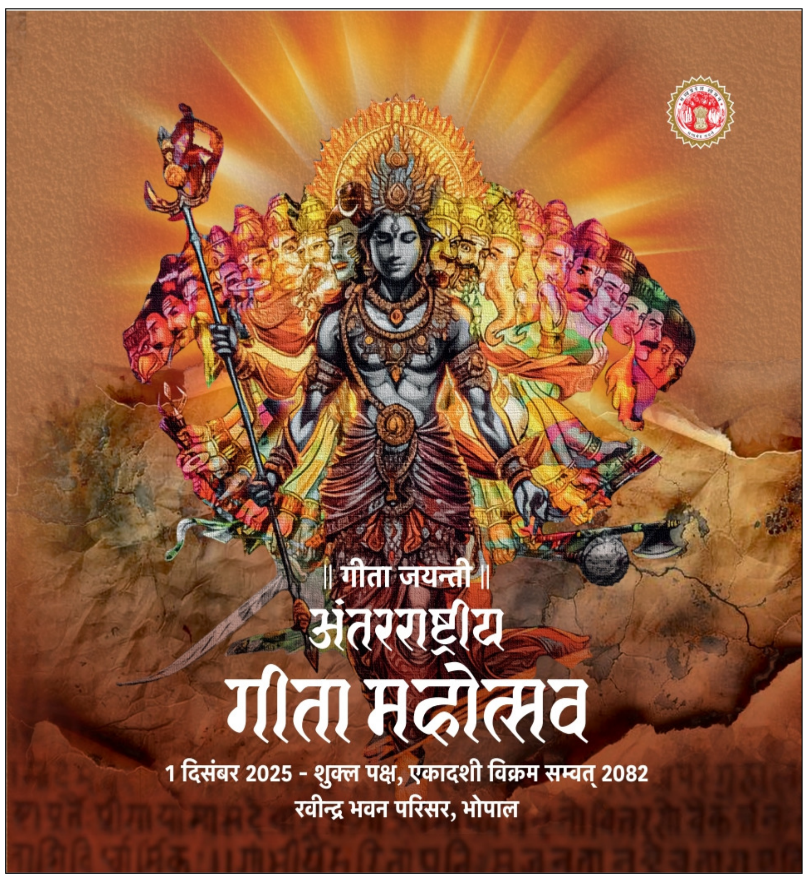

गीता जयंती पर 3 लाख गीता पाठी एक साथ करेंगे श्रीमद्भगवद्गीता का सस्वर पाठ

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, 1 दिसंबर, सोमवार को गीता जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के 313 विकासखंड, 55 जिला मुख्यालय और 10 संभागों में आचार्यों की सन्निधि में 3 लाख से अधिक गीताभक्तों द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सामूहिक सस्वर पाठ किया जायेगा। गीता जयंती पर उज्जैन, भोपाल एवं इंदौर में विशेष आयोजन किये गये है। इंदौर के राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर में मध्यप्रदेश के पहले गीता भवन का लोकार्पण हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में 16 से 28 नवंबर 2025 तक आयोजित हुई श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा भी की जायेगी।

वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि गीता जयंती 1 दिसंबर 2025 को मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव भव्य स्तर पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन जीने की कला सिखाती है। यह महोत्सव समाज में ज्ञान, कर्तव्य, अनुशासन और सकारात्मकता का वातावरण बनाने का माध्यम बनेगा।

उज्जैन में तीन दिवसीय भव्य आयोजन, पहले दिन अभिनेता पुनीत इस्सर की प्रस्तुति- उज्जैन के दशहरा मैदान पर 1 से 3 दिसंबर तक विविध सांस्कृतिक आयोजन किये जा रहे है। इसमें पहले दिन अभिनेता पुनीत इस्सर द्वारा निर्देशित नृत्य नाटिका जय श्रीकृष्णा का मंचन होगा। दूसरे दिन नई दिल्ली की वैष्णवी शर्मा का काव्य पाठ विराटजयी तथा मुंबई के मोहित शेवानी एवं दल द्वारा कृष्णायन की सांगीतिक प्रस्तुति होगी। अंतिम दिन उमेश तरकसवार द्वारा निर्देशित विश्ववंदनीय एवं बैंगलोर के डॉ. सलाउद्दीन पाशा द्वारा निर्देशित गीता ऑन व्हील्स की प्रस्तुति होगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर लघु चित्र शैली में माधव दर्शनम् प्रदर्शनी को प्रदर्शित किया जा रहा है।

भोपाल के रवीन्द्र भवन में दिव्यांग कलाकारों द्वारा गीता ऑन व्हील्स का मंचन- मुख्यमंत्रीजी डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में दोपहर 1 बजे रविन्द्र भवन में श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सस्वर पाठ एवं प्रदर्शनी का लोकार्पण होगा। रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में मोहित शेवानी के निर्देशन में कृष्णायन की प्रस्तुति होगी। यह प्रस्तुति भगवान श्रीकृष्ण और मध्यप्रदेश की कहानी पर केंद्रित है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए इस प्रस्तुति को आकर्षक एवं रोचक बनाने का प्रयास किया गया है। इसके पूर्व बैंगलोर के डॉ. सलाउद्दीन पाशा के निर्देशन में गीता ऑन व्हील्स जिसमें दिव्यांग कलाकार गीता के प्रसंगों को मंचित करेंगे तथा विश्व गीता प्रतिष्ठानम् की ओर से श्रीमद्भगवद्गीता नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी। प्रस्तुतियाँ शाम 6 बजे शुरू होंगी।

इंदौर के गोपाल मंदिर में होंगे आयोजन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री सैनी इंदौर के मुख्य आतिथ्य में मध्यप्रदेश के पहले गीता भवन-गोपाल मंदिर का लोकार्पण किया जायेगा। साथ ही प्रदेश में 16 से 28 नवंबर 2025 तक आयोजित हुई श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा की जायेगी। पुरस्कारों का वितरण गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2026 के मौके पर होगा। इस अवसर पर श्री संजीव मालवीय द्वारा निर्देशित नृत्य नाटिका कृष्णायन की प्रस्तुति होगी।

न्यूज ब्रीफ

बंगाल के नदिया में बांग्लादेशी तस्करों का बीएसएफ जवानों पर हमला, जवाबी कार्रवाई में एक तस्कर ढेर

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल के नदिया जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार रात बांग्लादेशी तस्करों और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जवानों के बीच मुठभेड़ हुई। बांग्लादेशी तस्करों ने जवानों पर जानलेवा हमला कर तस्करी का दुस्साहसिक प्रयास किया, जिसे बीएसएफ ने विफल कर दिया। इस दौरान आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में बीएसएफ की गोली से एक बांग्लादेशी तस्कर ढेर हो गया। बल के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर के प्रवक्ता ने रविवार को एक बयान में बताया कि यह घटना 32वीं वाहिनी की सीमा चौकी मतियारी इलाके में हुई। बीएसएफ अधिकारी ने दावा किया कि उनके जवानों ने घातक हमले का साहसपूर्वक सामना करते हुए बहुत संयम बनाए रखा। तस्करों द्वारा गंभीर खतरा पैदा किए जाने पर जवानों ने आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें एक बांग्लादेशी तस्कर की मौत हो गई, जबकि अन्य तस्कर वापस बांग्लादेश की ओर भाग निकले। मौके से एक कटर, चार धारदार हथियार, प्रतिबंधित फेंसेडिल कफ सिरप की 96 बोतलें और दो विदेशी शराब की बोतलें बरामद हुईं। अधिकारी ने बताया कि जवानों ने मतियारी सीमा क्षेत्र में छह-सात भारतीय तस्करों को हाथों में प्लास्टिक पोटले लिए हुए सीमा की ओर बढ़ते देखा। ये तस्कर उन पोटलों को तारबंदी के उस पार फेंकने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें दूसरी ओर मौजूद बांग्लादेशी तस्कर इंतजार रहे थे। जवान ने उन्हें रुकने की चेतावनी दी लेकिन तस्करों पर इसका कोई प्रभाव नहीं हुआ। इसी दौरान धारदार दाह से लैस बांग्लादेशी तस्कर आक्रामक रूप से जवान की ओर बढ़े और दाह से जवान पर वार किया, जो उसके हथियार के फ्रंट हैंडगार्ड पर लगा। इस अफरातफरी के बीच अचानक ट्रिगर दब जाने से एक लाइव राउंड फायर हो गया। यह गोली एक बांग्लादेशी तस्कर को लग गई, जिससे वह तुरंत जमीन पर गिर पड़ा। इसके बाद अन्य तस्कर घबराकर भागने लगे। भागते हुए वे घायल साथी को लगभग 50- 60 मीटर तक घसीटकर ले गए, मगर आगे का क्षेत्र जलभराव वाला होने के कारण वे उसे और फेंसेडिल से भरे पोटले वहीं छोड़कर बांग्लादेश की ओर भाग गए। घटना के बाद क्षेत्र में तुरंत गहन तलाशी अभियान चलाया गया।

तमिलनाडु के शिवगंगा में टूरिस्ट बसों की टक्कर, 11 की मौत और 20 घायल

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में दो टूरिस्ट बसें आपस में टकरा गई हैं। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 लोग घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि रविवार को तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में दो सरकारी बसों की आमने-सामने टक्कर में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और 20 लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना पिल्लैयारपट्टी से लगभग पांच किलोमीटर दूर तिरुपत्तूर इलाके में हुई। मौके पर मौजूद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि ÷कम से कम 11 लोग मारे गए और 20 यात्री घायल हो गए÷ और बताया कि आम लोगों और साथ में सफर करने वालों की मदद से कई लोगों को बाहर निकाला गया।

आपस में टकराने वाली बसों में से एक बस तिरुपुर से कराईकुडी जा रही थी, जबकि दूसरी बस कराईकुडी से डिंडीगुल जिले की ओर जा रही थी।

दुर्घटनास्थल की तस्वीरों में एक बस का ड्राइवर साइड का हिस्सा पूरी तरह से ध्वस्त हुआ दिख रहा है।दुर्घटना वाली जगह के वीडियो में जमीन पर एक लाइन में लाशें पड़ी दिख रही थीं। एक महिला बस के आगे से कूदती हुई दिखी, जिसका विंडशील्ड उड़ गया था। एक महिला जमीन पर बैठी थी और उसके माथे से खून टपक रहा था।

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास गरजा बुलडोजर; 30 से ज्यादा घर-दुकान ध्वस्त

नई दिल्ली/ जीएनएस। अहमदाबाद में शनिवार को नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मोटेरा इलाके में कई घरों और दुकानों पर बुलडोजर चलाया। यह कार्रवाई इसलिए की गई ताकि सरदार पटेल स्पोर्ट्स एंक्लेव के पास बनने वाली नई सड़क को जगह मिल सके। हाल ही में अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी मिली है, जिसके बाद तैयारियां तेज हो गई हैं।

मोटेरा क्षेत्र में 30 ढांचे ढहाए- अहमदाबाद नगर निगम के पश्चिमी जोन की एस्टेट विभाग टीम ने भारी मशीनों की मदद से कुल 30 आवासीय और वाणिज्यिक ढांचों को हटाया। कार्रवाई के दौरान पुलिस सुरक्षा भी तैनात रही ताकि किसी तरह का विरोध न हो। अधिकारियों ने बताया कि ये सभी ढांचे सड़क निर्माण में बाधा पैदा कर रहे थे।

कनेक्टिविटी होगी बेहतर- उप TDO पश्चिमी जोन, महेश टबियार ने बताया कि इन्हें हटाने के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम के पास नई सड़क बनाई जा सकेगी।

TMC के सांसद शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में जय हिंद और वंदे मातरम के नारों को करेंगे बुलंद

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के सांसद सोमवार से शुरू होने जा रहे संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान जय हिंद और वंदे मातरम के नारों को बुलंद करेंगे। राज्यसभा में तृणमूल के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने यह घोषणा की है।

पार्टी ने यह फैसला शीतकालीन से पहले राज्यसभा सचिवालय की ओर से 24 नवंबर को जारी एक हालिया बुलेटिन में सांसदों को शिष्टाचार व परंपरा का हवाला देते हुए संसद के अंदर जय हिंद और वंदे मातरम जैसे नारे का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह देने के बाद लिया है।

क्या है सरकार की तैयारी- हालांकि खबर है कि विवाद बढ़ने पर राज्यसभा सचिवालय की ओर से बाद में यह निर्देश वापस ले लिया गया था। केंद्र सरकार राष्ट्र गीत वंदे मातरम की रचना के 150 वर्ष पूरे होने पर इस संसद सत्र में दोनों सदनों- लोकसभा व राज्यसभा में पूरे एक दिन चर्चा कराने की तैयारी में भी है।

वहीं, तृणमूल ने स्पष्ट कहा है कि पार्टी राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक इन नारों पर केंद्र के किसी भी निर्देश को नहीं मानेगी। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डेरेक ने कहा कि केंद्र की यह अधिसूचना बंगाल और राष्ट्रगीत पर सीधा हमला है। यह बंगाल की पहचान को नष्ट करने की साजिश है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तृणमूल की राजनीतिक नौटंकी- वहीं, भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने निशाना साधते हुए कहा कि राज्यसभा सचिवालय द्वारा हाल में जारी सलाह को लेकर कांग्रेस और तृणमूल जिस तरह आपत्ति जता रही है, वो पूरी तरह राजनीतिक नौटंकी है, जबकि ये नियम दशकों से लागू है और किसी सरकार द्वारा नहीं, बल्कि संसद के पीठासीन अधिकारी ने बनाया था।

नेशनल हेराल्ड केस में ED की नई रणनीति, दिल्ली पुलिस ने राहुल-सोनिया के खिलाफ दर्ज की FIR

नई दिल्ली/ जीएनएस। पिछले 11 सालों से निचली अदालत में अटके नेशनल हेराल्ड केस को तेज गति से अंजाम तक पहुंचाने और सुब्रह्मनयम स्वामी की शिकायत पर निर्भरता खत्म करने की रणनीति के तहत दिल्ली पुलिस ने तीन अक्टूबर को नई एफआइआर दर्ज कर लिया है।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की एफआइआर ईडी की शिकायत पर आधारित है। दिल्ली पुलिस की एफआइआर दर्ज होने के बाद सुब्रह्मनयम स्वामी द्वारा अपनी शिकायत वापस लेने की स्थिति में भी मनी लांड्रिंग के केस पर कोई असर नहीं होगा।

सोनिया-राहुल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल- गौरतलब है कि ईडी इस मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी व अन्य खिलाफ नौ अप्रैल को चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार ईडी ने सुप्रीम कोर्ट के 16 सितंबर के फैसले को आधार पर बनाते हुए दिल्ली पुलिस से नई शिकायत दर्ज करने के लिए पत्र लिखा।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े विजय मदनलाल केस में फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि जांच के दौरान मनी लांड्रिंग किये जाने के सबूत मिलने के बाद ईडी को पुलिस को इसकी आपराधिक जांच के लिए कहना चाहिए।

नई एफआइआर की जरूरत साबित करने के लिए ईडी ने 2017-18 में यंग इंडिया और एसोसिएट जर्नल लगभग 88 करोड़ रुपये की मनी लांड्रिंग करने का हवाला दिया है। ईडी के अनुसार फर्जी विज्ञापन, फर्जी किराया और दान के नाम पर लिया गया था।

मुसलमानों ने ही किया अत्याचार..., साक्षी महाराज के बयान से चढ़ा सियासी पारा; मदनी पर क्या-क्या बोल गए?

उन्नाव/ जीएनएस। मौलाना मदनी के बयान पर पलटवार करते हुए सांसद डा. सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज ने कहा कि इतिहास गवाह है कि अत्याचार मुसलमानों ने ही किया है। जिस तरह से मौलाना मदनी ने वंदेमातरम् और जिहाद को लेकर बयान दिया है, उसकी मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। राष्ट्गीत वंदेमातरम् का विरोध करना कहीं न कहीं राष्ट के विरोध की परिधि में आता है। मैं भारत सरकार से उनके ओछे बयान को लेकर कार्रवाई करने की अपेक्षा करता हूं। साक्षी महाराज भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी के आवास पर आयोजित डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मौलाना मदनी ने वंदेमातरम् व जिहाद को लेकर आपत्ति जनक बयान दिया है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहां जिहाद के लिए कोई स्थान नहीं है। वंदेमातरम् का विरोध उनकी ओछी मानसिकता की देन है। मैं भारत सरकार से अपेक्षा करता हूं उनके खिलाफ कार्रवाई करे।

कुछ भारतीय अपनी भाषाएं तक नहीं जानते, संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जताई चिंता

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारतीय भाषाओं और मातृभाषाओं के घटते उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए कि कुछ भारतीय अपनी भाषाएं तक नहीं जानते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि साधु भी अंग्रेजी में संवाद करते हैं, लेकिन यह भाषाई प्राथमिकताओं में बदलाव को दर्शाता है। नागपुर में संत ज्ञानेश्वर की मराठी में लिखी पुस्तक श्री ज्ञानेश्वरी के अंग्रेजी संस्करण के विमोचन के दौरान रविवार को भागवत ने समाज से भाषाई धरोहर के क्षय पर आत्ममंथन की अपील की।

भारतीय ही नहीं जानते भारतीय भाषाएं- उन्होंने कहा, एक समय था जब संपूर्ण संवाद साझा करना, दैनिक व्यवसाय संस्कृत में होता था। तब कुछ अमेरिकी प्रोफेसर संस्कृत पढ़ाते हैं, जबकि वास्तव में हमें इसे दुनिया को सिखाना चाहिए था। आज कई बच्चे कुछ बुनियादी और सरल शब्द तक नहीं जानते और घर पर अपनी मातृभाषा और अंग्रेजी का मिश्रण बोलते हैं। स्थिति इस हद तक पहुंच गई है कि कुछ भारतीय अपनी भारतीय भाषाएं नहीं जानते।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा इसके लिए दोषी नहीं है, बल्कि घर पर भारतीय भाषाओं को बोलने में हिचकिचाहट इस स्थिति को और बढ़ा रही है। अगर हम अपने घर में अपनी भाषा को सही तरीके से बोलें, तो स्थिति बेहतर होगी। पर हम ऐसा नहीं करते।

अयोध्या में राम मंदिर पर धर्म ध्वजा फहराई, 'मन की बात' में खेल और तकनीक पर भी बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 128वें एपसोड में देशवासियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एविएशन सेक्टर, खेल और ड्रोन तकनीक समेत कई मुद्दों पर बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा, कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो ने मेरा ध्यान खींचा। यह वीडियो ISRO के यूनिक ड्रोन कॉम्पिटिशन का था। इस वीडियो में हमारे देश के युवा खासकर हमारी Gen-Z, मंगल ग्रह जैसे हालात में ड्रोन उड़ाने की कोशिश कर रहे थे। ड्रोन उड़ान भरते, थोड़ी देर स्टेबल रहते, फिर अचानक जमीन पर क्रैश हो जाते। ऐसा इसलिए था क्योंकि इन ड्रोन में GPS सपोर्ट बिल्कुल नहीं था। मंगल ग्रह पर GPS पॉसिबल नहीं है, इसलिए ड्रोन को कोई बाहरी सिग्नल या गाइडेंस नहीं मिल सकता। ड्रोन को अपने कैमरे और इन-बिल्ट सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके उड़ना था। इसी वजह से ड्रोन एक के बाद एक क्रैश होते रहे।

पीएम मोदी ने बताया कि पुणे की एक टीम ने कॉम्पिटिशन जीता। उनका ड्रोन भी कई बार गिरा, क्रैश हुआ, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। बहुत कोशिश के बाद उनका ड्रोन आखिरकार मंगल ग्रह जैसे हालात में कुछ देर के लिए उड़ने में कामयाब रहा। उन्होंने कहा, इस वीडियो ने मुझे उस दिन की याद दिला दी जब चंद्रयान नेटवर्क कवरेज से बाहर हो गया था। उस दिन पूरा देश, खासकर साइंटिस्ट निराश थे। लेकिन इस झटके ने उन्हें रोका नहीं। उसी दिन यानी आज ही के दिन, उन्होंने चंद्रयान-3 की सफलता की कहानी लिखनी शुरू की। हमारे युवाओं का दृढ़ संकल्प ही विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, नवंबर का महीना बहुत सारी उम्मीदें लेकर आया है। कुछ दिन पहले, 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर संसद के सेंट्रल हॉल में एक खास इवेंट हुआ। वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह पर देश भर में बड़े इवेंट्स की एक सीरीज शुरू हुई। 25 नवंबर को अयोध्या में राम मंदिर पर धर्म ध्वजा फहराई गई। उसी दिन कुरुक्षेत्र के ज्योतिसर में पांचजन्य मेमोरियल का उद्घाटन हुआ।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि खेल की दुनिया में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिन पहले यह घोषणा की गई कि भारत कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा। ये उपलब्धियां देश और देशवासियों की हैं। मन की बात में पीएम मोदी ने कहा, भारत ने एविएशन सेक्टर में मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल में एक बड़ा कदम उठाया है। पिछले हफ्ते, INS माहे को मुंबई में इंडियन नेवी में शामिल किया गया।

थाना एरोड्रम पुलिस की बड़ी कार्रवाईः शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी की वारदातों पर कसा शिकंजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के लिए पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर अमित सिंह द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। इसी कड़ी में थाना एरोड्रम पुलिस ने एक संगठित कार्ययोजना के तहत क्षेत्र में वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है।

वरिष्ठ अधिकारियों– पुलिस उपायुक्त कृष्ण लालचंदानी, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जोन 4-1) दिशेष अग्रवाल और सहायक पुलिस आयुक्त (मल्हारगंज) विवेक चौहान के निर्देशन में थाना एरोड्रम टीम इलाके में आपराधिक गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए थी। अभियान के दौरान थाना प्रभारी तरुण भाटी के नेतृत्व में टीम ने चोरी की वारदात में शामिल आरोपी ओमप्रकाश पिता अम्बाराम सुगालिया, उम्र 37 वर्ष, निवासी 612 महात्मा गांधी मार्ग, इंदौर को दबिश देकर गिरफ्तार किया।

दिनांक 28.11.2025 को दर्ज चोरी के अपराध क्रमांक 845/25 की जांच करते समय पुलिस टीम ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज का विस्तृत विश्लेषण किया। फुटेज में संदिग्ध गतिविधि के दौरान एक वाहन क्रमांक MP09MY0844 दिखाई दिया, जिसके आधार पर आरोपी की पहचान पुख्ता की गई। तकनीकी इनपुट और सटीक सूचना के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आरोपी द्वारा उपयोग किए गए दोपहिया वाहन को भी जप्त कर लिया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है, जिसके आधार पर चोरी गई सोने की चैन, नेकलेस, टॉप्स, अंगूठी सहित अन्य आभूषणों की बरामदगी की संभावना जताई जा रही है।

इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी तरुण भाटी, उपनिरीक्षक राम शाक्य, सहायक उपनिरीक्षक कैलाश मेढा, प्रधान आरक्षक दीपू यादव, आरक्षक जोगेश लश्करी और आरक्षक राजू रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लगातार निरीक्षण, तकनीकी विश्लेषण और प्रभावी समन्वय के चलते पुलिस ने शहर में चोरी की वारदातों पर एक बार फिर कड़ा संदेश देते हुए अपराधियों को चेतावनी दी है कि कानून के शिकंजे से बचना अब आसान नहीं होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज गीता जयंती पर इंदौर को देंगे गीता भवन की सौगात

बास्केटबॉल क्लब में होगा 5100 गीतानुरागियों द्वारा सामूहिक पाठ

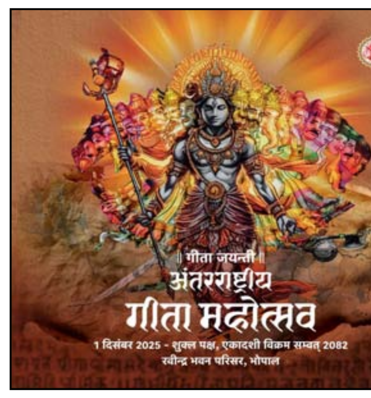

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक दिसम्बर सोमवार को गीता जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री सैनी इंदौर के मुख्य आतिथ्य में मध्यप्रदेश के पहले गीता भवन का लोकार्पण किया जायेगा। साथ ही गीता महोत्सव के अवसर पर इंदौर के बास्केटबॉल क्लब में सुबह 10 बजे 5100 गीतानुरागियों द्वारा सामूहिक गीता पाठ भी किया जाएगा और शाम 6 बजे गोपाल मंदिर राजवाड़ा स्थित गीता भवन का लोकार्पण किया जाएगा।इंदौर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अंतर्गत राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर में गीता भवन बनाया गया। इस गीता भवन की विशेषता यह है कि यहां 550 सीट का एक खूबसूरत सभागृह भी बनाया गया है। इसके साथ ही यहां 100 से अधिक नागरिकों के बैठने की क्षमता वाली लाइब्रेरी तैयार की गई है, इस लाइब्रेरी की विशेषता यह है कि यहां श्रीकृष्ण और भगवद् गीता से जुड़ी पुस्तकें ही रहेंगी। गीता जयंती पर यहां श्रीकृष्ण के जीवन पर आधारित नाटक का मंचन होगा और स्कूली बच्चे गीता का पाठ करेंगे।

आरएसएस सरकार्यवाह होसबोले ने कहा - भारत अपने लिए नहीं बल्कि विश्व कल्याण के लिए जिया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संघ शताब्दी वर्ष में जनजाति विकास मंच द्वारा इंदौर में मालवा प्रांत का संवाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले की मौजूदगी में हुआ। इस मौके पर होसबोले ने भारत भूमि, भारत माता और जो हिंदू समानताएं हैं, उनके बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत अपने लिए नहीं, बल्कि विश्व कल्याण के लिए जिया। होसबोले ने विभिन्न संगठनों, एकल अभियान, कल्याण आश्रम, सेवा भारती, जनजाति विकास मंच, जनजाति सुरक्षा मंच और स्वयंसेवकों द्वारा देशभर में जनजाति क्षेत्रों में शिक्षा, स्वावलंबन, कृषि, धर्म जागरण की दृष्टि से चलाए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनजाति अस्मिता और अस्तित्व दोनों की रक्षा करने की आवश्यकता है।

हमें भाषा, परंपरा, मान्यताएं, प्रकृति पूजन का संरक्षण करना होगा। साथ ही अस्तित्व के लिए विकास, आधुनिकता, समाज के साथ कदमताल करने का संकल्प लेकर चलना होगा। होसबोले ने कहा कि आक्रांता राष्ट्र आज समाप्त हो गए हैं।भारत सनातन देश है। हम भी नर से नारायण बन सकते हैं। भारत अपने लिए नहीं, विश्व के कल्याण के लिए ही जिया है। भारत को भारत बनाए रखने का नाम है हिंदुत्व। उन्होंने कहा कि हम सभी एक भारतीय हैं। हम सभी भारत माता की संतान है।

जीएसीसी कॉलेज में पहली बार होगा एक दिवसीय युवा संगम कार्यक्रम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार इन्दौर जिले के युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी दिलाने के लिए लगातार रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय इन्दौर द्वारा आयोजित युवा संगम कार्यक्रम के अन्तर्गत इस रोजगार मेले में सैकड़ों युवाओं को नौकरी दिलायी जा रही है। इसी के तहत 01 दिसम्बर 2025 को प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेन्स श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में भँवरकुआं इन्दौर में प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा।

उप संचालक रोजगार श्री पी. एस. मण्डलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में आवेदकों को कैरियर बनाने का सुनहरा अवसर है। युवाओं को नौकरी के साथ स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये लोन की प्रक्रिया की जानकारी भी दी जाएगी। मेले के माध्यम से कई प्रतिष्ठित कम्पनियों में 800 युवाओं को नौकरी दिलायी जाएगी। मेले में प्रतिष्ठित कम्पनियाँ जैसे - Rama Phosphates, PVR Inox, Aisect, Apple Flexpack, Step Academy, Balaji Group, Pharma Growth, Distil Education and Techology, Paytm, Just Dial, Blinkit, Sapphire Food KFC, Dr.Reddys. Ocean Motars, Mosaic Pvt.Ltd. Pharma Growth, Insta Connects, Shefali Business Solutions आदि द्वारा भर्ती प्रक्रिया की जाएगी। बैक ऑफिस, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फार्मासिष्ट, सैल्स, बीपीओ, पैकेजिंग, हैल्पर, टेक्नीशियन जैसे- (फिटर/इलेक्ट्रीशियन / टर्नर / मशीनिष्ट, वैल्डर आदि), डिजीटल मार्केटिंग आदि के विभिन्न पदों हेतु आकर्षक वेतन पर नियुक्ति होगी।

उक्त मेले में 18 से 40 वर्ष के आवेदक जो की पाँचवीं/आठवीं /हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर किसी भी विषय में पास है अथवा तकनीकी योग्यता जैसे आईटीआई के आवेदक है आवेदन कर योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में सम्मिलित होने वाले आवेदकों को अपनी समस्त शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्रों के साथ बायोडेटा की प्रतियाँ एवं अन्य प्रमाण पत्र जैसे- आधार कार्ड आदि के प्रमाणपत्रों की फोटो प्रतियों भी आवश्यक रूप से साथ लाना होगी।

इंदौर में यादव समाज का भव्य सम्मेलनः मिनी कुंभ जैसा दृश्य, सामाजिक उत्थान के लिए लिए कई बड़े निर्णय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के बाणेश्वरकुंड पर रविवार को यादव समाज का ऐतिहासिक सामाजिक सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें इंदौर सहित प्रदेशभर से हजारों समाजबंधुओं ने भाग लेकर इसे मिनी कुंभ जैसा भव्य स्वरूप दे दिया। पहली बार अहीर यादव स्ट्रांग ग्रुप द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में साधु-संतों के सान्निध्य में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समाज के उत्थान, भविष्य की योजनाओं और नई दिशा तय करने को लेकर विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की गई।

सम्मेलन के दौरान समाज की नई धर्मशाला बनाने की मांग प्रमुख रूप से उठी। सभी समाजबंधुओं ने एक स्वर में भव्य धर्मशाला के निर्माण का समर्थन किया। पार्षद शिवम यादव ने बताया कि धर्मशाला के निर्माण के लिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय से चर्चा हो चुकी है और प्रयास तेज़ी से जारी हैं। समाज की प्रगति के लिए हर साल निःशुल्क सामाजिक सम्मेलन, सामूहिक विवाह और प्रतिभावान छात्रों को पुरस्कृत करने का निर्णय भी लिया गया।

कार्यक्रम में महापौर पुष्यमित्र भार्गव, पं. सत्यनारायण सत्तन, आकाश विजयवर्गीय, मुन्नालाल यादव, सुदर्शन गुप्ता सहित कई अतिथियों ने भाग लिया और समाज की एकजुटता तथा शक्ति की सराहना की। अतिथियों ने कहा कि यह महाकुंभ समाज को नई दिशा देगा और सामाजिक चेतना को मजबूत करेगा। बड़ी संख्या में समाज की मातृशक्तियों ने भी आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

अहीर यादव स्ट्रांग ग्रुप ने घोषणा की कि इंदौर के सभी 85 वार्डों में समाज की कार्यकारिणी बनाई जाएगी। आगामी समय में 5100 नए सदस्य जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। समाज की 5 एकड़ भूमि पर धर्मशाला और बच्चों के लिए होस्टल बनाने की योजना भी पेश की गई। साथ ही, हर साल 1100 छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने और जरूरतमंद समाजबंधुओं को हरसंभव सहायता प्रदान करने का संकल्प लिया गया।

सुबह से शाम तक चले इस भव्य आयोजन में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। आयोजकों ने बताया कि 10 हजार से अधिक समाजबंधुओं ने सम्मेलन में उपस्थिति दर्ज कराई। देवास, उज्जैन, खंडवा, खरगोन सहित विभिन्न शहरों से बड़ी संख्या में समाजजन पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन राजेश यादव ने किया और अंत में परवेज पहलवान ने आभार व्यक्त किया।

अमरावती पुलिस कंट्रोल रूम को धमकी देने वाला संदिग्ध इंदौर से गिरफ्तार, खजराना पुलिस ने अमरावती क्राइम ब्रांच को किया सुपुर्द

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अमरावती पुलिस कंट्रोल रूम को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले संदिग्ध आरोपी को इंदौर की खजराना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पकड़ लिया। अमरावती क्राइम ब्रांच से मिली सूचना के बाद वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में खजराना थाना प्रभारी ने तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई की और संदिग्ध को नाहरशाहवाली दरगाह क्षेत्र से हिरासत में लिया।

पकड़े गए आरोपी की पहचान हरीश उर्फ सोहेल शेख पिता पांडुरंग धारवे, उम्र 33 वर्ष, निवासी शिवाजी नगर, थाना नानगांव पेठ, जिला अमरावती (महाराष्ट्र) के रूप में हुई है। आरोपी के विरुद्ध थाना फ्रेजर पूरा, अमरावती में अपराध क्रमांक 990/25 धारा 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण दर्ज है। अमरावती पुलिस के अनुसार, 28 नवंबर 2025 को मोबाइल नंबर 95946 89413 से अमरावती पुलिस कंट्रोल रूम पर कॉल कर बम धमाके की धमकी दी गई थी, जिसके बाद पूरे जिले में अलर्ट जारी कर संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू की गई।

दौरान जांच यह पता चला कि धमकी देने वाला मोबाइल नंबर धारक इंदौर में मौजूद है, जिसके बाद अमरावती क्राइम ब्रांच ने इंदौर पुलिस को तत्काल सूचना दी। सूचना मिलते ही खजराना पुलिस टीम ने बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध की तलाश शुरू की और नाहरशाहवाली दरगाह से उसे पकड़ लिया। पूछताछ के बाद संदिग्ध को विधिवत पुलिस अभिरक्षा में लेकर अमरावती क्राइम ब्रांच को सुपुर्द किया गया। आगे की विवेचना अमरावती पुलिस द्वारा की जा रही है।

इस कार्रवाई में निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव, उपनिरीक्षक संदीप पटेल, उपनिरीक्षक घनश्याम मिश्रा, सहायक उपनिरीक्षक मोहनलाल, प्रधान आरक्षक रामकृष्ण, पंकज सांवरिया, आरक्षक शुभम सिंह और जबर सिंह धाकड़ की सराहनीय भूमिका रही। खजराना पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने एक बड़ी संभावित घटना को रोकते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत संदेश दिया है।

इंदौर में ई- रिक्शा की बैटरी फटी, बेटी की मौत, मां गंभीर, ड्रायवर भी झुलसा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में शनिवार रात ई रिक्शा की बैटरी फट गई। रिक्शा में सवार बेटी की इलाज के दौरान मौत हो गई है और मां गंभीर है। इसके अलावा ड्रायवर भी झुलस गया है। बेटी अपनी मां की आंख का इलाज कराने के लिए आई अस्पताल जा रही थी। तभी यह हादसा हो गया। दोनों घायल मां-बेटी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया है। इस घटना के बाद शहर की ई रिक्शा की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि कई रिक्शा चालक अपनी रिक्शा में सस्ती बैटरी या दो बैटरियां लगाकर चलाते हैं। जिस रिक्शा में हादसा हुआ। घटना रामकुंवर बाई पति नाथु सिंह और उनकी बेटी पवित्रा बाई पति विजय चौहान के साथ हुई। मां रामकुंवर बाई की हालत भी गंभीर बनी हुई है और इलाज के दौरान रविवार सुबह पवित्रा की मौत हो गई। इस हादसे में रिक्शा चला रहा ड्रायवर अरुण गुप्ता निवासी निरंजपुर भी झुलस गया है।

धमाका देख रुके लोग- रिक्शा में चलते-चलते अचानक धमाका हुआ। सड़क पर चल रहे लोग अचानक चौंक गए। देखा तो रिक्शा की बैटरी फट गई थी और उसमें सवार मां और बेटी जोर-जोर से चिल्ला रहे थे। लोग मदद के लिए आगे आए और मां बेटी को रिक्शा में से निकाल कर निजी वाहन से एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों को बर्न यूनिट में भर्ती किया गया है।

महापौर के निर्देश पर सराफा चौपाटी का रात्रिकालीन निरीक्षण, दुकानों की व्यवस्था और सुरक्षा उपायों का किया मूल्यांकन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव के निर्देशानुसार नगर निगम की ओर से सराफा चौपाटी में परंपरागत दुकानों के संरक्षण और व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजस्व प्रभारी निरंजन सिंह चौहान 'गुड्डू' ने रात 11 बजे चौपाटी का विस्तृत निरीक्षण किया। देर रात किए गए इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा, स्वच्छता और खाद्य गुणवत्ता को प्राथमिकता देना था।

निरीक्षण के दौरान श्री चौहान ने चौपाटी की प्रत्येक दुकान पर जाकर नगर निगम द्वारा आवंटित व्यवसायिक बोर्डों की स्थिति, फायर सेफ्टी उपकरणों की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था और दुकान संचालन संबंधी दिशा-निर्देशों के पालन का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि सभी दुकानों का संचालन निगम के मानकों के अनुरूप होना चाहिए ताकि नागरिक सुरक्षित वातावरण में खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकें। राजस्व प्रभारी ने दुकानदारों से परंपरागत सराफा व्यंजनों के बारे में भी जानकारी ली और उन्हें अपनी परंपरागत पहचान बनाए रखने, गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने तथा ग्राहकों को उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। नगर निगम द्वारा किया गया यह निरीक्षण सराफा चौपाटी की व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

ऑपरेशन मुस्कान में बड़ा खुलासा, 140 बच्चे बरामद, कहां गायब हो रही थीं बच्चियां?

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस द्वारा हर वर्ष नवंबर में चलाया जाने वाला ऑपरेशन मुस्कान एक बार फिर प्रभावी साबित हुआ है। लापता बच्चों की तलाश के लिए प्रदेश स्तर पर पुलिस टीमें संगठित होकर व्यापक खोज अभियान चलाती हैं। इसका नतीजा इस बार भी सकारात्मक रहा। पुलिस ने अभियान शुरू होने के सिर्फ 30 दिनों के भीतर 140 लापता बच्चों को खोज निकाला है। यह आंकड़ा बताता है कि संगठित प्रयास और नियमित अभियान बच्चों को सुरक्षित वापस लाने में कितने प्रभावी साबित हो रहे हैं।

1 नवंबर से 30 नवंबर तक चला अभियान-एडिशनल कमिश्नर आर. के. सिंह ने बताया कि ऑपरेशन मुस्कान को इस बार 1 नवंबर से प्रारंभ किया गया है, जो 30 नवंबर तक चलेगा। पूरे अभियान के लिए थाना स्तर पर पहले ही लापता बच्चों की सूची तैयार कर ली गई थी और उनके आधार पर विशेष टीमें सक्रिय की गईं। इन 30 दिनों में इंदौर के सभी चारों पुलिस जोन में खोज अभियान चलाया गया और कुल 140 बच्चों को वापस लाया गया, जिनमें 107 बच्चियां और 33 बच्चे शामिल हैं। पहले गुमशुदगी के मामलों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब बच्चों के गुम होने पर अपहरण का केस दर्ज होता है, जिससे जांच की रफ्तार और गंभीरता दोनों बढ़ी हैं।

प्रेम प्रसंग में घर से भाग रहे नाबालिग- इंदौर पुलिस अब साल में दो बार यह विशेष अभियान चलाती है, जिसके चलते बड़ी संख्या में लापता बच्चे खोजे जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि ज्यादातर मामलों में नाबालिग लड़कियां प्रेम संबंधों के चलते घर छोड़ देती हैं और कई को अन्य शहरों से भी बरामद किया गया है। अभियान से यह भी स्पष्ट होता है कि बच्चियों के लापता होने के मामलों में वृद्धि चिंता का विषय है, जिसके समाधान के लिए परिवारों और समाज को भी अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता है। इन अभियानों से पुलिस को उन बच्चों तक भी पहुंचने में मदद मिल रही है जो कई वर्षों से लापता थे।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, हर साल लगभग 1000 बच्चे इंदौर में लापता होने की श्रेणी में दर्ज किए जाते हैं लेकिन ऑपरेशन मुस्कान शुरू होने के बाद अब अधिकांश बच्चे सुरक्षित रूप से वापस आ रहे हैं। केवल वर्तमान वर्ष ही नहीं, बल्कि इस अभियान के दौरान पिछले वर्षों में खोए हुए अनेक बच्चों की भी पहचान करके उन्हें परिजनों से मिलाया गया है। यह अभियान न सिर्फ पुलिस की तत्परता का उदाहरण है, बल्कि समाज में सुरक्षा और जागरूकता के प्रति भी उम्मीद जगाता है।

भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का संशोधित कार्यक्रम किया जारी

गणना पत्रक 11 दिसम्बर तक भरे जाएंगे, 14 फरवरी 2026 को होगा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की भारत निर्वाचन आयोग ने समय सीमा बढ़ा दी है। इस संबंध में आयोग ने निर्देश भी जारी कर दिए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र श्री संजीव कुमार झा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 30 नवंबर को संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है।

जारी कार्यक्रम अनुसार मध्यप्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया अब 14 फरवरी 2026 तक चलेगी। इसके अनुसार अब 11 दिसम्बर 2025 तक एन्युमरेशन फार्म भरने का काम बीएलओ द्वारा किया जाएगा। 16 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर से 15 जनवरी 2026 तक दावा आपत्तियों के आवेदन लिए जाएंगे। 16 दिसंबर से 7 फरवरी 2026 तक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद 14 फरवरी 2026 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने कहा कि सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए नवीन दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में दिए गए नवीन निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उसे अच्छी तरह से अध्ययन कर लें। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ तीन बार मतदाताओं के घर जाएंगे, यह सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जो व्यक्ति 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहा है, वह भी मतदात सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6, हटवाने के लिए फॉर्म 7 और सुधार या संशोधन के लिए मतदाता को फॉर्म 8 भरना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि एन्यूमरेशन फार्म भरने में यदि कोई व्यक्ति मिथ्या घोषणा करता है तो जुर्माने या कारावास के लिए दंडनीय होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, 1 दिसंबर, सोमवार को गीता जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के 313 विकासखंड, 55 जिला मुख्यालय और 10 संभागों में आचार्यों की सन्निधि में 3 लाख से अधिक गीताभक्तों द्वारा श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सामूहिक सस्वर पाठ किया जायेगा। गीता जयंती पर उज्जैन, भोपाल एवं इंदौर में विशेष आयोजन किये गये है। इंदौर के राजवाड़ा स्थित गोपाल मंदिर में मध्यप्रदेश के पहले गीता भवन का लोकार्पण हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। इस अवसर पर मध्यप्रदेश में 16 से 28 नवंबर 2025 तक आयोजित हुई श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा भी की जायेगी। वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि गीता जयंती 1 दिसंबर 2025 को मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव भव्य स्तर पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं बल्कि जीवन जीने की कला सिखाती है। यह महोत्सव समाज में ज्ञान, कर्तव्य, अनुशासन और सकारात्मकता का वातावरण बनाने का माध्यम बनेगा।

उज्जैन में तीन दिवसीय भव्य आयोजन, पहले दिन अभिनेता पुनीत इस्सर की प्रस्तुति

उज्जैन के दशहरा मैदान पर 1 से 3 दिसंबर तक विविध सांस्कृतिक आयोजन किये जा रहे है। इसमें पहले दिन अभिनेता पुनीत इस्सर द्वारा निर्देशित नृत्य नाटिका जय श्रीकृष्णा का मंचन होगा। दूसरे दिन नई दिल्ली की वैष्णवी शर्मा का काव्य पाठ विराटजयी तथा मुंबई के मोहित शेवानी एवं दल द्वारा कृष्णायन की सांगीतिक प्रस्तुति होगी। अंतिम दिन उमेश तरकसवार द्वारा निर्देशित विश्ववंदनीय एवं बैंगलोर के डॉ. सलाउद्दीन पाशा द्वारा निर्देशित गीता ऑन व्हील्स की प्रस्तुति होगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर लघु चित्र शैली में माधव दर्शनम् प्रदर्शनी को प्रदर्शित किया जा रहा है।

भोपाल के रवीन्द्र भवन में दिव्यांग कलाकारों द्वारा गीता ऑन व्हील्स का मंचन- मुख्यमंत्रीजी डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में दोपहर 1 बजे रविन्द्र भवन में श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सस्वर पाठ एवं प्रदर्शनी का लोकार्पण होगा। रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में मोहित शेवानी के निर्देशन में कृष्णायन की प्रस्तुति होगी। यह प्रस्तुति भगवान श्रीकृष्ण और मध्यप्रदेश की कहानी पर केंद्रित है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए इस प्रस्तुति को आकर्षक एवं रोचक बनाने का प्रयास किया गया है। इसके पूर्व बैंगलोर के डॉ. सलाउद्दीन पाशा के निर्देशन में गीता ऑन व्हील्स जिसमें दिव्यांग कलाकार गीता के प्रसंगों को मंचित करेंगे तथा विश्व गीता प्रतिष्ठानम् की ओर से श्रीमद्भगवद्गीता नृत्य नाटिका की प्रस्तुति होगी।

नीमच में करणी सेना परिवार का सर्वसमाज हित में होगा महाअभियान

2 दिसंबर को जीवन सिंह शेरपुर 21 सूत्रीय मांगों को लेकर होगे टाउनहॉल में सर्वसमाज से रूबरू

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। करणी सेना परिवार प्रमुख ठाकुर जीवन सिंह शेरपुर 2 दिसंबर को जन क्रांति न्याय यात्रा के तहत नीमच पहुंच रहे हैं साथ ही मध्यप्रदेश प्रदेश संयोजक यादवेन्द्र सिंह तोमर,प्रदेश संगठन मंत्री शैलेंद्र सिंह झाला एवं सर्वसमाज के कई पदाधिकारी आयोजन में शिरकत करेगे । उनके आगमन को लेकर करणी सेना परिवार द्वारा शहर में भव्य एवं व्यापक तैयारियाँ की जा रही हैं। करणी सेना के जिला प्रमुख गिरिराज सिंह चुण्डावत ने बताया कि जीवन सिंह शेरपुर नीमच में सर्व समाज से 21 दिसंबर को हरदा में होने वाले जन क्रांति न्याय आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि करणी सेना परिवार द्वारा 21 सूत्रीय मांगों को लेकर यह आंदोलन आयोजित किया जा रहा है।

इनमें विशेष रूप से हरदा लाठीचार्ज की न्यायिक जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई, EWS सरलीकरण, आर्थिक आधार पर आरक्षण, किसानों को उचित मुआवजा, पारदर्शी भर्ती प्रणाली, गौ-सेवा एवं संरक्षण, युवाओं को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। चुण्डावत ने कहा कि यह आंदोलन केवल राजपूत समाज का नहीं, बल्कि सर्व समाज के हक़ और अधिकारों की लड़ाई है।

2 दिसंबर को होने वाली जीवन सिंह शेरपुर की यात्रा को सफल बनाने के लिए करणी सेना कार्यकर्ता घर-घर जाकर आमजन को निमंत्रण दे रहे हैं। शहर और जिले भर में होर्डिंग, फ्लेक्स एवं बैनर लगाए जा रहे हैं, जिससे जन जागरूकता अभियान तेजी से फैल रहा है।

कार्यक्रम के अनुसार, शेरपुर 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे नीमच पहुंचेंगे और सबसे पहले ग्वालटोली स्थित वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। इसके बाद बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर, स्वर्गीय खुमान सिंह शिवाजी, महर्षि वाल्मीकि और भारत माता की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। इसके पश्चात वे टाउन हॉल में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। जन क्रांति न्याय यात्रा के इस चरण को लेकर करणी सेना परिवार में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।करणी सेना परिवार करणी सैनिक गाँव गाँव ढाणी ढाणी तक पहुँच इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारियों और जनसंपर्क अभियान कर सर्वसमाज हित की 21 सुत्रीय मांगो को सर्वसमाज में करणी सैनिक जन -जन तक पहुचा रहे है जिससे सर्वसमाज में 21 सुत्रीय जायज मांगो के प्रति सकारात्मक रूझानो को देखते हुए अनुमान है कि 2 दिसंबर को नीमच में बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोग उपस्थित रहेंगे।

विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव श्रीमती मीणा ने किया नीमच और जावद जेल का निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने जिला जेल नीमच एवं उप जेल, जावद का निरीक्षण किया। जिला जेल नीमच में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने बंदियों से संवाद स्थापित कर यह सुनिश्चित किया, कि हर बंदी को विधिक सहायता उपलब्ध हो तथा ज़मानत योग्य प्रकरणों में आवश्यक जमानत आवेदन समय पर प्रस्तुत किए जाएँ। उन्होंने लंबित विधिक सहायता प्रकरणों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भोजन, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वच्छता, पुस्तकालय एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की भी जानकारी ली। उप जेल जावद में सचिव श्रीमती मीणा ने बंदियों से व्यक्तिगत चर्चा कर, उनके प्रकरणों की स्थिति, विधिक सहायता की उपलब्धता तथा अन्य आवश्यकताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि जिन बंदियों को विधिक सहायता की आवश्यकता है, उनके आवेदन शीघ्र जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजे। अंत में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा ने दोनों जेल अधीक्षकों एवं स्टाफ को निर्देशित किया, कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें तथा कोई भी बंदी विधिक सहायता से वंचित न रहे। यह जानकारी विधिक सहायता अधिकारी नीमच श्री प्रवीण कुमार ने दी।

हमारा कार्यालय-हमारा गौरवः कांग्रेसजनों ने पसीना बहाकर चमकाया कार्यालय

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रम की महिमा ही कांग्रेस की असली शक्ति है, यह संदेश आज पूरे जोश के साथ जिला कांग्रेस मुख्यालय मंदसौर से गूंज उठा। रविवार को प्रातः हमारा कार्यालय ङ्क हमारा गौरव, हमारा अभिमान÷ श्रमदान अभियान के तहत ठीक सुबह 8 बजे जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर सहित कई कांग्रेसजन जिला कार्यालय पहुंचे और सभी ने अपने हाथों में झाड़ू-पोछा लेकर अपने हाथों से पूरे कार्यालय परिसर की साफ सफाई की और यह पहला मौका था जहां सभी कांग्रेस जन ने कार्यालय में सफाई कर कार्यालय को चमका दिया । इस अवसर पर गुर्जर ने कहा कि यह सिर्फ सफाई नहीं है, यह कांग्रेस कार्यकर्ता के स्वाभिमान,मेहनत और पार्टी के प्रति अटूट निष्ठा का जीता-जागता प्रमाण है। श्रमदान में प्रमुख रूप से मंजीत सिंह टुटेजा, अजय लोढ़ा, राजेश सौलंकी, वाहिद जैदी, सुनील गुप्ता, माधव पाटीदार, मीना चौहान, घनश्याम चौहान, अजय सोनी, अकरम खान, महेश गुप्ता, रमेश सिंघार, आमीन खान, दीपक लाड़ सहित कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और साबित कर दिया कि कांग्रेस का कार्यकर्ता न झुकता है, न थकता है। श्रम से ही सम्मान मिलता है, श्रम से ही संगठन मज़बूत होता है।

भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 का संशोधित कार्यक्रम किया जारी

गणना पत्रक 11दिसम्बर तक भरे जाएंगे, 14 फरवरी 26 को होगा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर की भारत निर्वाचन आयोग ने समय सीमा बढ़ा दी है। इस संबंध में आयोग ने निर्देश भी जारी कर दिए हैं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र श्री संजीव कुमार झा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 30 नवंबर को संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया है।

जारी कार्यक्रम अनुसार मध्यप्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया अब 14 फरवरी 2026 तक चलेगी। इसके अनुसार अब 11 दिसम्बर 2025 तक एन्युमरेशन फार्म भरने का काम बीएलओ द्वारा किया जाएगा। 16 दिसंबर को मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन होगा। 16 दिसंबर से 15 जनवरी 2026 तक दावा आपत्तियों के आवेदन लिए जाएंगे। 16 दिसंबर से 7 फरवरी 2026 तक दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। इसके बाद 14 फरवरी 2026 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने कहा कि सभी जिलों के कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए नवीन दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में दिए गए नवीन निर्देशों का अनिवार्य रूप से पालन करें। उसे अच्छी तरह से अध्ययन कर लें। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बीएलओ तीन बार मतदाताओं के घर जाएंगे, यह सुनिश्चित करें। इसके साथ ही जो व्यक्ति 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहा है, वह भी मतदात सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6, हटवाने के लिए फॉर्म 7 और सुधार या संशोधन के लिए मतदाता को फॉर्म 8 भरना होगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने बताया कि एन्यूमरेशन फार्म भरने में यदि कोई व्यक्ति मिथ्या घोषणा करता है तो जुर्माने या कारावास के लिए दंडनीय होगा।

विहिप, बजरंग दल की 20 दिसंबर निकलने वाली शौर्य यात्रा लेकर बैठक संपन्न

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की 20 दिसंबर को विशाल शंखनाथ शौर्य यात्रा जिला मुख्यालय से निकलेगी, जिसकी तैयारी हेतु प्रखंड नाहरगढ़ नगर के सत्संग भवन और प्रखंड गांव जग्गाखेड़ी गोशाला परिसर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिलाध्यक्ष प्रवीण मंडलोई तथा जिला संयोजक अनिल धनगर ने बताया कि 20 दिसंबर को विशाल भव्य शौर्य यात्रा निकाली जाएगी। जिसमें गांव गांव से बड़ी संख्या में सनातन धर्म के युवा पहुंचेंगे। बैठक में कई महत्वपूर्ण विषय पर दोनों का मार्ग दर्शन प्राप्त हुआ। बैठक में नाहरगढ़ नगर कार्यकर्ता और जिला धर्म प्रचार प्रमुख दुर्गा प्रसाद सांवलिया, प्रखंड मंत्री बंटी व्यास, प्रखंड संयोजक सुनील डांगी, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। यह जानकारी खंड अध्यक्ष राजेंद्र राजू सोनी द्वारा दी गई।

नीमच में आज गूंजेगा गीता का संदेश-1100 विद्यार्थी करेंगे द्वादश अध्याय का सामूहिक पाठ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गीता जयंती के अवसर पर नीमच शहर एक अनोखे तरीके आध्यात्मिक आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशानुसार महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान, मध्यप्रदेश शासन द्वारा श्रीमद् भगवदगीता के ज्ञान को नई पीढ़ी तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रदेशभर के शासकीय, अशासकीय और परंपरागत संस्कृत विद्यालयों में गीता जयंती के कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसी कड़ी में जिला शिक्षा विभाग नीमच ने विभिन्न स्तरों पर कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है।

जिला शिक्षा अधिकारी श्री एस.एम.मांगरिया ने बताया, कि जिले का मुख्य कार्यक्रम आज सोमवार 1 दिसंबर को सुबह 10ः30 बजे नीमच के उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित होगा। इस दौरान 1100 से अधिक छात्र-छात्राएँ एक साथ श्रीमद् भगवदगीता के द्वादश (12वें) अध्याय का पाठ करेंगें। भक्ति योग पर आधारित यह अध्याय श्रद्धा, समर्पण, संतुलित व्यक्तित्व और ईश्वर के साथ अखंड संबंध का संदेश देता है।

सामूहिक पाठ से विद्यालय का परिसर आध्यात्मिक ध्वनि और सकारात्मक ऊर्जा से भर उठेगा।

आध्यात्मिक चर्चा और ज्ञानवर्धक सत्र- कार्यक्रम में केवल पाठ ही नहीं, बल्कि गीता के महत्व पर परिचर्चा भी होगी। जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुजानमल मांगरिया ने बताया, कि संस्कृताचार्य, शिक्षाविदों और विषय-विशेषज्ञों द्वारा गीता के श्लोकों की आधुनिक संदर्भ में व्याख्या की जाएगी। साथ ही विद्यार्थियों को समझाया जाएगा, कि गीता जीवन प्रबंधन का शास्त्र है समस्या, तनाव, भ्रम और प्रतियोगिता की स्थितियों में मन को कैसे स्थिर रखा जाए, इसका उत्तर गीता देती है।

विद्यालय स्तर पर भी तैयारी जिले के सभी उच्चतर माध्यमिक तथा संस्कृत विद्यालयों में गीता परायण, श्लोक उच्चारण प्रतियोगिता, निबंध लेखन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिक्षकों का कहना है कि इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल पाठ याद करवाना नहीं, बल्कि गीता के मूल संदेश कर्तव्य, विनम्रता, आत्म-विश्वास और नैतिकता से जोड़ना है। कई विद्यालयों ने छात्र-छात्राओं के बीच समूह अभ्यास सत्र भी शुरू कर दिए हैं ताकि सामूहिक पाठ के समय उच्चारण एक स्वर में हो सके।

छात्रों और अभिभावकों में उत्साह-कार्यक्रम की जानकारी मिलते ही छात्रों में उत्साह देखा जा रहा है। कई विद्यार्थियों ने बताया कि गीता के श्लोक सीखने से मन में शांति, ध्यान और आत्म-नियंत्रण की अनुभूति होती है। अभिभावकों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि गीता युवा पीढ़ी को मानसिक मजबूती और सुसंस्कृत जीवन का आधार देती है।

सांस्कृतिक और शैक्षिक महत्व- जिला शिक्षा विभाग का मानना है, कि इस प्रकार के आयोजन स्कूल शिक्षा में भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों का समावेश करते हैं। मांगरिया ने बताया कि गीता जयंती के उपलक्ष्य में होने वाला सामूहिक पाठ धर्म का प्रचार नहीं, बल्कि आचरण, अनुशासन और आत्मबल का संदेश देने वाला प्रयास है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाने के लिए कार्यक्रम में उपस्थित रहें और गीता के संदेश को समाज में प्रसारित करने में सहभागी बनें।

34 वर्षो से उमाकुंवर राठौड़ ने शासकीय सेवाओ में दिया योगदान, विद्यालय परिवार ने दी भव्य तरीके से विदाई

शिक्षिका के साथ साथ राठौड़ आध्यात्मिक जीवन से भी जुड़कर समाज हित में कर रहे कार्य

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लदूना के होनहार शिक्षक श्रीमती उमाकुंवर राठौड़ को अर्धवार्षिक आयु पूर्ण होने पर विद्यालय परिवार की ओर से भव्य तरीके से दी गई विदाई जिसमें, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओम सिंह भाटी, गोविंद सिंह पंवार, भाजपा के कन्हैया लाल राठौर, मंडल महामंत्री घनश्याम राठौर, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष गजेंद्र सिंह राठौड़ लदुना वर्तमान सरपंच, बीईओ नागूलाल मालवीय, बीआरसी के सभी अधिकारीगण, कर्मचारी गण, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य राधेश्याम बसेर एवं समस्त स्टाफ की गरिमामय उपस्थिति एवं श्रीमती राठौड़ के पारिवारिक सदस्य एवं सामाजिक सदस्यों ने भव्य तरीके से विदाई समारोह दिया। उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं की। सभी पधारे अतिथियों ने उद्बोधन दिया एवं श्रीमती राठौड़ के उच्च कार्य की प्रशंसा की। स्कूल की तरफ से प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्री जैन एवं श्रीमती शक्तावत द्वारा किया गया। आभार सांदीपनी विधालय प्राचार्य राधेश्याम बसेर ने माना। श्रीमती राठौड़ द्वारा सादीपनी विधालय के होनहार छात्रों को पुरस्कार वितरित किए गए। सांदीपनि विद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा श्रीमती उमाकुंवर राठौड़ के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाए प्रेषित करी। वही उमाकुंवर राठोड़ ने बताया कि मेरे लिए ये क्षण गौरव के क्षण है और में सौभाग्यशाली हूं कि मैं इस क्षेत्र से जुड़कर समाज हित के लिए अपना योगदान दे पाई। हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य के प्रति सजग और जागरूक होना चाहिए।

एचआईवी में मंदसौर दूसरे नंबर पर, रतलाम पहले व नीमच तीसरे नंबर पर

विश्व एड्स दिवस आज ॰ विभागीय चहल पहल कम दिखी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व एड्स दिवस आज 01 दिसंबर को मनाया जाएगा। मंदसौर जिले में एचआईवी की स्थिति पर गौर करें तो इस वर्ष 2025 में 138 नए एचआईवी पॉजिटिव सामने आए हैं। यानी सभी कवायदों के बीच भी हर वर्ष पॉजिटिवों का ग्राफ कम नहीं हो पा रहा है। एचआईवी, एड्स पॉजिटिवों पर नजर रखने के लिए वर्ष 2006 से निगरानी की जा रही है। 20 वर्षों में अब तक मंदसौर जिले में 2048 एचआईवी पॉजिटिव बताए गए हैं। इसके अलावा इस वर्ष नए 15 गर्भवती महिलाओं का होना बताया गया है। जिला एड्स नियंत्रण समिति के नोडल अधिकारी डॉ. निशान्त शर्मा ने बताया कि अब तक 2048 पॉजिटिव रहे हैं। इस वर्ष 138 नए पॉजिटिव सामने आए हैं। पिछले दिनों ही दो महीने तक लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया गया है। आज सोमवार को जिला चिकित्सालय से एक जागरूकता रैली निकाली जाएगी, जो सुबह 10 बजे शुरू होगी। विश्व एड्स दिवस पर एक सप्ताह तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

विश्व एड्स दिवस आज सोमवार को है। हर वर्ष 01 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता रहा है। लेकिन, इस वर्ष विभागीय चहल पहल भी नहीं दिखाई दी है। जबकि मंदसौर जिले के साथ ही रतलाम और समीपस्थ नीमच जिले में एड्स- एचआईवी का संक्रमण रहता आया है। बताया गया है कि इस वर्ष पॉजिटिव आंकड़ों में तीन जिलों में रतलाम पहले नंबर पर है, तथा नीमच तीसरे नंबर पर आया है। मंदसौर का स्थान दूसरे नंबर पर है। हालांकि जिला एड्स नियंत्रण समिति में विभागीय चहल पहल नहीं होने पर आंकड़े सामने नहीं आ पाए हैं। दूसरी ओर आज सोमवार को जिला अस्पताल से एचआईवी की रोकथाम और जागरूकता के लिए एक रैली का जरूर आयोजन होगा।

बता दें कि एचआईवी एड्स संक्रमण को रोकने एवं इसके फैलाव तथा बचाव हेतु जिले में कुछ गैर सरकारी संगठन भी कार्यरत हैं। साथ ही विभागीय तौर पर भी कई कर्मचारी कार्यरत हैं। 01 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता रहा है, जबकि एनजीओ स्तर पर भी अग्रिम रूप से चहल पहल नहीं दिखाई दी है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2006 से एड्स एचआईवी के पॉजिटिव, जांच, गर्भवतियों की जांच सहित एआरटी सेंटर की गतिविधि एवं कई गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट तैयार की जाती रही है। इस वर्ष इस रिपोर्ट के बनने में लेटलतीफी महसूस हुई है।

रतलाम से नीमच के नयागांव तक है डेरे- बता दें कि रतलाम के छोर से लगाकर मंदसौर होते हुए नीमच के नयागांव तक कई डेरे वर्षों से हैं। इन समुदाय के उद्धार के लिए कई कोशिशें होती रही है। हाल ही में भानपुरा थाना क्षेत्र में भी एक गैर सरकारी संगठन के माध्यम से डेरे पर पड़ताल की गई थी।

पूर्व में पुलिस अधीक्षक रहे डॉ. जीके पाठक के कार्यकाल में भी कई उद्धार कार्य संचालित हुए थे। उल्लेखनीय है कि एड्स नियंत्रण समिति मंदसौर जिले में संचालित है। यहां अलग से बजट आवंटित होता रहा है। डॉ. निशांत शर्मा के अनुसार एचआईवी पॉजिटिवों की संख्या का आम वर्ग में भी इजाफा होता जा रहा है, इसके लिए जागरूकता जरूरी हो गई है।

निर्माण श्रमिकों के कल्याण हेतु उपकर भुगतान है अनिवार्य

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मण्डल द्वारा श्रमिकों के कल्याण और सुरक्षा के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। भवन या अन्य संनिर्माण कर्मकार अधिनियम 1996 के तहत 10 लाख रूपए से अधिक के समस्त निर्माण कार्यों एवं समस्त वाणिज्यक निर्माण कार्यों पर निर्माण लागत का 1 प्रतिशत उपकर मण्डल को श्रमिक कल्याण के लिए जमा किया जाना अनिवार्य है।

निर्माण कार्य की सूचना देने के लिए अनिवार्यता अधिनियम की धारा 46 के अनुसार किसी भी निर्माण कार्य को प्रारंभ करने की सूचना नियोजक द्वारा किसी भवन या अन्य संनिर्माण कार्य प्रारंभ करने से कम से कम तीस दिन पूर्व उस क्षेत्र में, जहां प्रस्तावित भवन या अन्य संनिर्माण कार्य किया जाना है, अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को प्रावधानित ब्यौरे सहित एक लिखित सूचना भेजेगा। अधिनियम अनुसार जानकारी के ब्यौरा में निर्माण स्थान का नाम, अवस्थिति, नियोजक, कार्य की प्रकृति, निर्माण स्थल पर व्यवस्था, ऐसे कर्मकारों की संख्या जिनके भवन या अन्य संनिर्माण कार्य के विभिन्न प्रक्रमों के दौरान नियोजित किए जाने की संभावना है, कार्य की अनुमानित अवधि सहित अन्य बिंदु शामिल है, उक्त जानकारी में परिवर्तन होने की स्थिति में नियोजक को दो दिन के भीतर निरीक्षक को सूचना देना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए नियोजक https://labour.mp.gov.in/index.aspx संपर्क कर सकते है । नियोजक द्वारा सूचना देने में असफल होने की स्थिति में जुर्माना भवन या अन्य संनिर्माण कर्मकार अधिनियम, 1996 के तहत यदि कोई नियोजक अधिनियम की धारा 46 के अधीन निर्माण या संनिर्माण कार्य के प्रारंभ करने की सूचना देने में असफल होता है, तो अधिनियम की धारा 50 के तहत नियोजक 3 माह की कारावास या दो हजार रुपए तक के आर्थिक दंड अथवा दोनों से दण्डनीय होगा स्वास्थ्य एवं सुरक्षा प्रावधान भवन एवं संनिर्माण कर्मकार अधिनियम, 1996 में श्रमिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल हैं। इन प्रावधानों का उद्देश्य निर्माण स्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य की रक्षा करना है। प्रमुख प्रावधानों के तहत नियोक्ता को यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्माण स्थल पर श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण हो, श्रमिकों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण जैसे हेलमेट, दस्ताने, और सुरक्षा जूते प्रदान किये जाये, श्रमिकों की नियमित स्वास्थ्य जांच करानी होगी और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करनी होंगी, श्रमिकों को सुरक्षा और स्वास्थ्य के बारे में प्रशिक्षण देना और उन्हें जागरूक करना आवश्यक है, साथ ही किसी भी दुर्घटना की घटना की रिपोर्टिंग और जांच करनी होगी और आवश्यक कार्रवाई करनी होगी। नियोक्ता को यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है, कि निर्माण स्थल पर सभी सुरक्षा मानकों और नियमों का पालन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में श्रमिकों को सुरक्षित कार्य वातावरण में काम करने एवं सुरक्षा उपकरण और प्रशिक्षण प्राप्त करने का अधिकार है। अतः समस्त नियोजक अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन करना सुनिश्चित करें।

दीक्षार्थी बहन नेहा जैन का भव्य वरघोड़ा निकला, स्थानकवासी जैन समाज ने की सहभागिता

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मंदसौर के द्वारा दीक्षार्थी बहन श्री नेहा जैन का भव्य वरघोड़ा निकाला गया। 5 जनवरी को प.पू. गुरूदेव श्री धर्ममुनिजी म.सा. के सुशिष्य सेवाभावी संत श्री चिरागमुनिजी म.सा., सेवाभावी संत श्री चन्द्रेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा 2, साध्वी श्री धैर्यप्रभाजी मह.सा. के पावन सानिध्य में नवदीक्षार्थी बहन नेहा जैन की जैन भगवती दीक्षा बड़ी सादड़ी (राज.) में होने जा रही है। जैन संतों साध्वियों एवं दीक्षार्थी बहन के मंदसौर पधारने पर श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ मंदसौर के तत्वावधान में दीक्षार्थी बहन के तप त्याग की अनुमोदनार्थ दो दिवसीय महोत्सव का आयोजन किया गया। रविवार को इसी उपलक्ष्य में संजय गांधी उद्यान से नव दीक्षार्थी बेरागन बहन नेहा जैन का भव्य वरघोड़ा (चल समारोह) निकाला गया। जिसमें दीक्षार्थी हिन को शाही वाहन में में विराजित कर बैण्ड बाजे के साथ चल समारोह निकाला गया। श्री जैन दिवाकर श्री चौथमलजी म.सा. छोटे जैन दिवाकर श्री धर्ममुनिजी म.सा. के जयकारे लगाते हुए स्थानकवासी जैन समाज के धर्मालुजनों ने पूरे जोश के साथ चल समारोह में सहभागिता की। धर्मसभा में श्री चिरामुनिजी जी म.सा. ने दीक्षार्थी बहन के तप त्याग की अनुमोदन करते हुए मंदसौर श्रीसंघ के द्वारा आयोजित किये गये दीक्षार्थी बहन के कार्यक्रम की सराहना की। धर्मसभा में केसर छापे की रस्म भी अदा की गई। रविवार को हुए कार्यक्रम के अवसर पर गौतम प्रसादी कराने का धर्मलाभ रमेशचन्द्र पवन कुमार जैन एचएम परिवार, मोतीलाल बापूलाल मेहता परिवार, अभिनव लवीन तलेरा, कपिल वीरेन्द्र नाहटा परिवार ने लिया। नवकारसती के लाभार्थी आनंदीलाल कोमलसिंह दुग्गड़ परिवार, कोमलबाई शांतिला कुदार परिवार, गब्बाजी बालाराम पामेचा परिवार, मनीष राजेन्द्र बोहरा (रूचि टेक्सटाईल्स) परिवार रहे। वरघोड़ा के लाभार्थी अशोक बापूलाल उकावत परिवार व मेहन्दी चौबीसी की लाभार्थी हेमंत गजेन्द्र मेहता परिवार रहे। केसर छापे के लाभार्थी साहिल मनोहर नाहटा परिवार, संजय विक्रम जैन परिवार, अशोक वरदीचंद झेलावत परिवार, सुनील माणकलाल मारू परिवार, नरेन्द्र शांतिलाल नाहर परिवार रहे। उल्लेखनीय है कि दीक्षार्थी बहन नेहा जैन का जन्म पंजाब के खेड़ाकला ग्राम में हुआ है। आपकी आयु 18 वर्ष व शिक्षा हायर सेकेण्डरी स्तर तक हुई है। आपके पिता राजेन्द्रकुमार व माता सौरभदेवी है।

उर्वरकों की उपलब्धता हेतु समीक्षा बैठक संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने आज जिले में उर्वरक उपलब्धता, रैक आवक एवं वितरण व्यवस्था की समीक्षा की। बैठक में उपसंचालक कृषि श्रीमती नीलम चौहान, उपायुक्त सहकारिता, जिला विपणन अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहकारिता, अनुविभागीय कृषि अधिकारी तथा समस्त वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया है कृषकों को समझाईश दी जाये एवं अवगत कराया जाये कि जिले में यूरिया की कोई कमी नहीं है वर्तमान में यूरिया की दो रैंक प्राप्त हो गई है एवं इसके पश्चात 4 रैंक ओर प्राप्त होने वाली है। लगातार रैंक प्राप्त हो रही है। कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने उर्वरक वितरण व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु मैदानी अधिकारी/कर्मचारियों को लगातार मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया।

सम्पादकीय

मुंबई लोकल में लेडीज कोचः क्या यह जेंडर जस्टिस है या जेंडर सेग्रिगेशन?

हर सुबह 7ः15 की फास्ट लोकल जब चर्चगेट की ओर दौड़ती है, तो एक अजीब-सी तस्वीर उभरती है। प्लेटफॉर्म पर पुरुषों की भीड़ लहर बनकर सामान्य डिब्बों पर टूटती है–कंधे चिपकाते हुए, एक-दूसरे की गर्दन पर टकराती हुई। ठीक उसी क्षण, लेडीज कोच के दरवाज़े पर कुछ महिलाएँ सहज खड़ी रहती हैं। भीड़ कम, धक्का कम, छेड़खानी का साया लगभग नदारद। कोई बैग टिका कर ठहरी है, कोई फोन पर खोई, कोई किताब में डूबी। बाहर का पुरुष डिब्बा नरक है, अंदर का लेडीज कोच स्वर्ग। और यही दृश्य हर फ़ेमिनिस्ट तर्क को एक साथ सही और गलत साबित कर देता है।

यह सुविधा है या तिरस्कार? सुरक्षा है या सीमाबंदी? हम 2025 की दहलीज़ पर खड़े होकर भी तय नहीं कर पा रहे कि औरत को सुरक्षित रखने के नाम पर उसे अलग कर देना न्याय है या अन्याय। एक ओर लिबरल बुद्धिजीवी गरजते हैं– यह जेंडर-सेग्रिगेशन है, मध्ययुगीन मानसिकता है, औरत को मुख्यधारा से काट देना है! दूसरी ओर लाखों कामकाजी महिलाएँ हैं, जो हर सुबह यही दुआ करती हैं कि लेडीज कोच में सीट मिल जाए, वरना पूरा दिन बिगड़ जाएगा। मुद्दा यह नहीं कि कौन सही है–मुद्दा यह है कि समाज इतना असुरक्षित कैसे हो गया कि औरत के लिए अलग कोच अनिवार्य बन गया?

सबसे पहले तथ्य देखिए। मुंबई की लोकल ट्रेनें रोज 70-75 लाख यात्रियों को ढोती हैं। इसमें करीब 35-40 प्रतिशत यात्री महिलाएँ हैं। रेलवे के अपने आंकड़े कहते हैं कि 2015-2023 के बीच लेडीज कोच में छेड़छाड़ की शिकायतें सामान्य डिब्बों की तुलना में 92-93% प्रतिशत कम रही हैं। यानी यह व्यवस्था काम कर रही है। लेकिन क्या काम करना ही काफी है? क्या जो व्यवस्था औरत को सुरक्षित रखने के लिए उसे अलग कर दे, वह वाकई उसे सशक्त बना रही है या बस यह स्वीकार कर रही है कि समाज पुरुषों को सुधारने में निर्णायक तौर पर विफल हो चुका है?

जो लोग इसे जेंडर सेग्रिगेशन कहकर कोसते हैं, उनका तर्क साफ है–अलग कोच का मतलब है औरत को दूसरी श्रेणी का नागरिक मानना। यानी समाज मान चुका है कि पुरुषों को काबू में नहीं किया जा सकता, इसलिए औरतों को ही किनारे कर दो। यही सोच कभी परदा प्रथा को सही ठहराती थी, और आज भी कई देशों में महिलाओं को अलग बस में बिठाती है। अगर बराबरी सच में चाहिए, तो पुरुषों को सीख देनी होगी कि भीड़ में भी हाथ काबू में रखें–न कि औरतों को अलग डिब्बे में धकेल दें। अलग कोच समाधान नहीं, समाज की हार है।

लेकिन यह तर्क जितना सुंदर लगता है, उतना ही किताबों वाला भी है। असली ज़िंदगी में 22 साल की वह लड़की, जो सुबह 6 बजे विरार से चर्चगेट जाती है, उसे अभी भाषण नहीं, सुरक्षित सफर चाहिए। उसे यह सुनने की जरूरत नहीं कि तुम अलग क्यों बैठती हो, पुरुष डिब्बे में जाओ और अपनी जगह बनाओ। क्योंकि वह जानती है कि वहाँ जगह बनाते-बनाते उसका हाथ मुड़ सकता है, कपड़े फट सकते हैं, और बदन पर हाथ फेरने वालों की गिनती ही नहीं होगी। जब अलग कोच मौजूद है, तो वह रोज यह जोखिम क्यों उठाए? उसका यह चुनाव पितृसत्ता की गुलामी नहीं, साफ-सुथरी व्यावहारिक समझदारी है।

कड़वी हकीकत यह है कि लेडीज कोच न तो पूर्ण न्याय है, न पूर्ण अन्याय। यह एक समझौता है। कड़वा, शर्मनाक, लेकिन इस दौर के लिए जरूरी समझौता। जिस समाज में हर तीसरे दिन कोई न कोई रेप केस सुर्खियों में आता हो, जहाँ निर्भया के बाद भी बसों, ट्रेनों, सड़कों पर औरत सुरक्षित न हो, वहाँ अभी ऐसे अस्थायी बैंडेज ही लगाए जा सकते हैं। असली इलाज तो पुरुषों की सोच बदलना है, स्कूलों में जेंडर सेंसिटाइजेशन लाना है, कानून को सख्ती से लागू करना है, दोषियों को फाँसी तक पहुँचाना है। पर यह सब होने में सालों लगेंगे। तब तक क्या औरतें हर दिन अपना सम्मान दाँव पर लगाएँ?

सच यह है कि दुनिया ने अलग रास्ता चुना है। जापान में महिलाओं के लिए कोच हैं, लेकिन वहां छेड़खानी की घटनाएँ भारत से कहीं कम हैं। जर्मनी और ब्रिटेन जैसे देश ऐसे अलग डिब्बे तक की ज़रूरत महसूस नहीं करते, क्योंकि वहां समाज ने खुद को सुरक्षित बनाया है। बात साफ है–अलग कोच समाज की बीमारी नहीं है, यह उस बीमारी का लक्षण है। और जब तक बीमारी का इलाज नहीं होगा, लक्षण दबाने के लिए यह ज़रूरी दवा लेना ही पड़ेगा।

बड़ा सवाल यह है– क्या हम लेडीज कोच को हमेशा के लिए स्वीकार कर लें? बिलकुल नहीं। लेकिन क्या इसे अभी खत्म कर दें? उससे भी बड़ा नहीं। सही राह यही है कि इसे एक संक्रमणकालीन व्यवस्था समझा जाए। अगले दसङ्कपंद्रह साल में अगर हम पुरुषों को सभ्य बना पाए, छेड़खानी करने वाले को तुरंत जेल भेज पाए, और रात दस बजे भी कोई लड़की अकेली लोकल में बिना डर सफर कर सके–तो पहला कोच जो हटेगा, वही लेडीज कोच ही होगा। उसी दिन हम सच में जेंडर जस्टिस कह पाएँगे।

सबसे पहले एक हकीकत सामने रखिए– अगर भीड़ भरे डिब्बों में हर दिन आपकी अपनी बहन, आपकी बेटी, या आपके घर की किसी महिला को धक्के, फब्तियाँ और अनचाहे हाथों का सामना करना पड़े, तो क्या आप उसे बेझिझक उसी भीड़ में भेज देंगे? अगर जवाब ना है, तो ज़रा ठहरिए और सोचिए। जो लोग गरज रहे हैं–लेडीज कोच खत्म करो, यह तो सेग्रिगेशन है–उनसे बस इतना ही कहना है- कभी-कभी सुरक्षा अलग करने से नहीं, स्वीकार करने से शुरू होती है कि हालात अभी बराबरी लायक नहीं हैं।

सहजयोग, व्यष्टि से समष्टि बनने की आध्यात्मिक यात्रा है

अखण्ड मण्डलाकारं, व्याप्तं येन चराचरम् ।
तत्पदं दर्शितं येन, तस्मै श्री गुरवे नमः ॥

सहजयोग एक अत्यंत सुंदर, सहज, सरल ध्यानपद्धति है, जो हमारे आध्यात्मिक, सामाजिक व शारीरिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मराठी में एक कहावत है, बहुत सुकृताची जोडी, तयी विठ्ठल आवडी अर्थात हमारे पूर्वजन्मों के सुकृत्यों के कारण हम परमपिता परमेश्वर की ओर, इनकी अपरंपार महिमा की ओर आकृष्ट होते हैं। प. पू. श्रीमाताजी - कहते हैं, अगर एक बार अपनी इच्छा शक्ति जागृत कर आपने आत्मसाक्षात्कार माँगा तो आपके भीतर स्थित माँ स्वरूपिणी कुंडलिनी शक्ति उर्ध्वगामी होकर आपके आत्मदीप को प्रज्वलित कर देती है। प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग केवल आत्मसाक्षात्कार द्वारा मानवीय उत्थान की बात करता है। हमारा आत्मस्वरूप, परमात्मा का एक अंश, शिवांश है और हमारे भीतर आद्याशक्ति कुंडलिनी के रूप में हैं। यह शास्त्रों में वर्णित है और सहजयोग द्वारा अनुभूत है। प.पू.श्री माताजी कहते हैं एक बार जब आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है और नियमित ध्यान से जब आपका आत्मसाक्षात्कार पोषित और पल्लवित होता है तब एक बूंद सागर बन जाती है । आत्मा जगत के हर मानव के लिये सामूहिकता और प्रेम का स्त्रोत है। तब आपका चित्त उन सभी लोगों पर जाता है जो मुसीबत में हैं, जिन्हें मदद की जरूरत है। इस चित्त से। जो इतना आलोकित है, प्रबुद्ध है, आप यहीं बैठे बैठे उनकी समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। ऐसे लोगो के साथ न युद्ध की जरूरत है, न हथियार की जरूरत है, न किसी / भौगोलिक सीमा विस्तार की जरूरत है यह एक विशेष समय है। जहाँ इतने सारे पुष्प है जो सच्चाई को खोज रहे हैं। सभी धर्मो मे इसका वर्णन किया गया है। तब हम किसी से इस बात पर नफरत नहीं करते कि वह इस धर्म में विश्वास करता है या किसी अन्य धर्म में। इसके विपरीत हम सभी धर्मों में विश्वास करते हैं। ये वही शक्ति है जिसके कारण एक बूंद सागर बन जाती है। व्यक्ति समष्टि बन जाता है। प्रेम के हथियार से आप भी अपने हृदय में, परिवार और समाज में शांति स्थापित कर सकते हैं, सहजयोग के माध्यम से।

मेसेंजर की अनाम आत्माएँ और समाज का विवर्तन

मेसेंजर के आभासी प्रांगण में कुछ अनाम आत्माएँ प्रतिदिन प्रातः और सायंकाल ऐसे उतर आती हैं, मानो मेरे मन-लोक के द्वार उनकी प्रतीक्षा में ही सदैव खुले रहते हों। उनके संदेशों का प्रवाह इतना निरंतर, इतना अविरल होता है कि लगता है जैसे किसी सुदूर स्रोत से आशा की कोई अदृश्य नदी बहती चली आ रही हो। यह भी विचित्र है कि इन संदेशों के उत्तर की उन्हें तनिक भी चिंता नहीं उनके शब्दों में एक ऐसी निस्सीम आशा झलकती है मानो दुनिया का ध्वंस भी उनसे उनकी जिजीविषा न छीन पाएगा।

जब कभी मैं मेसेंजर खोलती हूँ, तो भीतर कृत्रिम पुष्पों की रंग-बिरंगी पाँतें, कोमल उपमाओं की मधुमयी धाराएँ और शब्दों की शक्कर से लिपटी मिठास मेरी आँखों के समक्ष फैल जाती है। वह क्षण किसी अनजाने उत्सव-सा लगता है एक ऐसा उत्सव, जिसे किसी ने बिना निमंत्रण दिए मेरे जीवन में बिखेर दिया हो। कभी-कभी मन यूँ ही सोच में डूब जाता है क्या सचमुच कोई अजनबी नारी किसी अनदेखे- अनजाने व्यक्ति के हृदय में इतना सारा मृदु स्नेह, इतनी कोमल भावनाएँ और इतना अनुशासित आदर जगा सकता है?

परंतु इसी कोने में एक गहरी विडंबना भी खड़ी है अपने निजी जीवन में तो जीवनसाथी के मुख से एक मधुर शब्द भी सुनने को नहीं मिलता। वहाँ तो केवल शिकायतों की काँटेदार झाड़ियाँ और उलाहनों की सूखी टहनियाँ ही पनपती हैं। कभी-कभी तो ऐसा प्रतीत होता है जैसे विवाह नामक संस्था ने दो अधूरे मनुष्यों को एक साथ बाँधकर उनसे पूर्णता की अपेक्षा कर ली हो, जबकि भीतर दोनों ही अपूर्णताओं और अनकहे दुःखों के बोझ तले दबे हों। फिर भी, इन अनाम स्नेहदाताओं के प्रति मेरे भीतर एक विचित्र-सा आभार जन्म लेता है। शायद यह आभार किसी अपेक्षा का नहीं, बल्कि इस भाव का है कि दुनिया में अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं जो बिना स्वार्थ, बिना पहचान, बिना अपेक्षा स्नेह देना जानते हैं। इस सत्य की मधुर अनुभूति ही हृदय में एक अदृश्य कृतज्ञता अंकित कर देती है। किन्तु मेरे अस्तित्व के भीतर इन अजनबियों के लिए किसी भी भाव प्रेम, आकर्षण या खिंचाव की कोई जगह नहीं। मेरे भीतर जो स्थान सुरक्षित है, वह वीतराग के विस्तृत आकाश की तरह रिक्त और शांत है।

मेरे परिचय-वलय में एक ऐसा व्यक्ति भी है जो दुनिया को हँसी के उत्सव बाँटता फिरता है। वह अपनी चुटीली टिप्पणियों और सहज हास्य से लोगों के चेहरे पर मुस्कान उगा देता है, लेकिन जैसे ही वह घर के मुख्यद्वार पर पहुँचता है, उसके चेहरे से हर आभा ऐसे झर जाती है, जैसे वह गोड्डा निवाणे की किसी कठिन और थकाऊ यात्रा से लौटकर आया हो। उसे देखते हुए मन में यह शंका बार-बार जाग उठती है कहीं ये संदेश भेजने वाले भी भीतर से वैसे ही रिक्त तो नहीं? कहीं यह मुस्कान केवल बाहरी छलावरण तो नहीं, जो भीतर के गहरे अकेलेपन को छिपाने के लिए ओढ़ रखी गई हो?

आज मेसेंजर में उमड़ती संदेशों की बाढ़ ने मेरे भीतर सामाजिक प्रवृत्तियों की तहों तक उतर जाने की एक तीव्र इच्छा जगा दी। कुछ परिचितों के जीवन-चित्र स्मृति में कौंध गए प्रसन्न, संघर्षरत, टूटते और फिर से सँभलते हुए। हर चित्र अपने भीतर एक कहानी लिए हुए था, और हर कहानी समाज के बदलते स्वरूप का मूक प्रमाण थी।

इन सब पर विचार करते हुए सबसे पहले मैं उन परिवारों को हृदय से नमन करना चाहती हूँ जो प्रेम, धैर्य, संयम और परस्पर सम्मान की कोमल डोर से बँधे रहते हैं। ऐसे परिवार किसी नदी की गहराई जैसे होते हैं ऊपर भले ही शांत दिखें, लेकिन भीतर वे समाज की स्थिरता और सामूहिक संतुलन के लिए अथाह जल संजोए रखते हैं। उनकी उपस्थिति समाज में शांति, सहनशीलता और स्नेही वातावरण का आधार बनती है।

किन्तु समाज का दूसरा पक्ष भी उतना ही व्यापक और तीखा है। कुछ पुरुष और स्त्रियाँ, चालीस-पैंतालीस की सीमा में पहुँचते ही अचानक पीड़ित-भाव की ध्वजा उठाकर खड़े हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि वे अपनी प्रतिभा के आकाश को छू सकते थे, यदि परिवार और बच्चों की जिम्मेदारियों ने उनके स्वर्णिम अवसर न निगल लिए होते। यह सोच धीरे-धीरे उनके विवाह की डोर को छिन्न-भिन्न करने लगती है। मन में उभरता यह कथित अवसर-हरण का भाव, दाम्पत्य जीवन में कटुता का बीज बो देता है।

इसी के समानांतर कुछ पुरुष बाहर की स्त्रियों से अपने बनावटी दर्द, झूठी विवशताओं और मनगढ़ंत दुःखों की कहानियाँ साझा करते हैं। संवेदनशील स्त्रियाँ उन कहानियों को सत्य समझकर भावनात्मक रूप से उलझ जाती हैं। पुरुषों का यह छलावा उन्हें अपने ही भावों की कैद में धकेल देता है जहाँ वे समझ नहीं पातीं कि उनका अपनापन वास्तविकता से जुड़ा है या किसी के क्षणिक मनोरंजन का साधन मात्र।

आजकल सरायों और भोजनालयों के बाहर जो नाटकीय दृश्य घटित होते हैं अंदर पत्नी किसी 'मित्र' के साथ बैठी और बाहर पति क्रोध से दहकता खड़ा वे किसी एक परिवार की नहीं, पूरे समाज की विकृत मानसकथा हैं। इन दृश्यों को देखकर लगता है कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं जहाँ विश्वास सबसे सस्ता और विकार सबसे महंगा हो गया है।

कुछ लोग घर की उलझी परिस्थितियों से भागकर हमउम्र स्त्रियों या नवयुवतियों में क्षणिक सुख ढूँढने निकल पड़ते हैं। वे इन नए आकर्षणों में डूबकर यह मानने लगते हैं कि यही वास्तविक जीवन है, यही सच्चा प्रेम, यही पूर्णता। परंतु जब वह चमक भी फीकी पड़ जाती है, तो वे फिर किसी नए आकर्षण की तलाश में निकल जाते हैं मानो जीवन कोई मण्डी हो और प्रेम उसका सबसे सस्ता सिक्का।

घर में वही व्यक्ति कलह, कड़वाहट और अव्यवस्था की आग लेकर लौटता है। मधुरता, जो वह बाहर उदारता से बाँटता है, घर की चौखट के भीतर आते ही सूख जाती है उसकी जगह ले लेते हैं रूखे शब्द, अस्थिर मन और थकान का बोझ।

इन सब परिस्थितियों की प्रतिक्रिया स्त्रियों में भी प्रतिशोध, प्रतिस्पर्धा और प्रतिरोध के रूप में उभरती है। वे संघर्ष में उतर आती हैं, कभी स्वयं को सिद्ध करने, कभी अपना खोया आत्मसम्मान खोजने, तो कभी केवल अपने अस्तित्व की सुरक्षा के लिए। इसका परिणाम होता है परिवारों का टूटना, बच्चों में दिशाहीनता, नशे की ओर झुकाव, और कम आयु में विपरीत लिंगी आकर्षण का असामान्य उभार।

बढ़ते अपराध, एकतरफा प्रेम की त्रासदियाँ, अवसाद, आत्महत्या और हिंसा ये सब इसी टूट चुकी पारिवारिक नींव की उपज हैं। सोशल मीडिया उन घावों पर मरहम बनने की बजाय कई बार उन्हें और गहरा कर देता है। सुख की तलाश में लोग दूसरों की सुख-शांति भी छीन ले जाते हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम अपने घरों में संवाद, प्रेम, आदर, विश्वास और धैर्य की गरिमा को पुनः स्थापित करें। तभी हम स्वस्थ, संतुलित समाज का निर्माण कर पाएँगे ऐसा समाज जहाँ अगली पीढ़ियाँ टूटे मनों की विरासत नहीं, बल्कि स्नेह और समझ की पूँजी लेकर आगे बढ़ सकें।

यदि मेरे शब्दों से किसी संवेदनशील हृदय को पीड़ा पहुँची हो, तो मैं सहृदय क्षमा याचना करती हूँ।

-डॉ प्रियंका सौरभ

सुक्खू की सुबह से मुलाकात

शीतकालीन सत्र के कालीन पर कदमों के निशां कहां होते, वो मंजिलें मेरे दरिया की हैं इनके पांव नहीं होते। धर्मशाला इस वक्त अपने नूर की फिजां में एक चश्मदीद गवाह, दीदार कर रहा है कल सुबह हो न हो। यही फितरत रही होगी उस आर्किटेक्ट यानी स्व. वीरभद्र सिंह की, जिन्होंने सत्ता को धौलाधार का आंचल दिया। इस सफर की कहानियां अब मुख्यमंत्रियों के अंदाज में बनने लगी हैं। वीरभद्र सिंह चले, धूमल चले, जयराम चले और सुखविंद्र सिंह सुक्खू चल रहे हैं। होगी इबारत तेरे जश्न की, मगर तू चला तो हमने पढ़ लिया तेरा मुकाम। पिछले तीन दिन से शीतकालीन सत्र के चरित्र में कई उभार, कई ठहराव और मंद-मंद मुस्कराती हवाओं से टकराती सियासी शैलियां। कभी जोरावर स्टेडियम, तो कभी विधानसभा परिसर की तरफ निकलती टोलियां और बदलती बोलियां। खनकते उद्गार, स्वागत की मुद्राएं और प्रश्नों के अंबार। यह 'बिजनेस' है, सदन और पटल पर रखे सरोकारों का, लेकिन एक विधानसभा बाहर भी सीधे जनता के मन में सजती है हर बार। एक स्पर्श भंवरे की तरह जब मंडराता है, तो राजनीतिक कोलाहल से दूर उन कदमों की आहट मात्र से सबेरा हो जाता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री के दीदार ही शायद शिमला के सत्र को धर्मशाला स्थानांतरित करते हैं। इस शहर को अब आदत सी होने लगी है, सुबह की सुक्खू से मुलाकात होने लगी है। होगा अलग रूप सत्ता का, विधानसभा सत्र का उसूल भी अलग होगा, लेकिन जब कोई मुख्यमंत्री सुबह अपने कर्म के बागीचों में टहलता है, तो हवाओं का रुख बदलता है। गुरुवार को मुख्यमंत्री ने कचहरी में उसी सब्जी विक्रेता लडक़ी से जब पिछले साल का जिक्र किया, तो धंधे में जोश भर गया। वह बस स्टॉप में युवा पीढ़ी के मंतव्यों के सहचरी बन जाते हैं। वह शुक्रवार शहर में खेल नगरी का उत्साह देखते हैं, तो ट्रैक पर बच्चों के साथ सरकार चलती है। खेल परिसर में कितने ही खिलाडिय़ों का पसीना भारत को अंतरराष्ट्रीय विजय के पथ पर ले जाता है ओर इसे तसदीक करतीं, तीन कबड्डी खिलाड़ी विश्व विजेता के पल मुख्यमंत्री से जोड़ देती हैं। प्रदेश गुजारिश करेगा कि भारत के लिए गोल्ड मेडल लाने वाली पांच हिमाचली बेटियों के गले में सरकार का पुरस्कार और प्रोत्साहन राशि का पुष्पहार पड़े। जाहिर तौर पर जब मुख्यमंत्री अनौपचारिक ढंग से निकलते हैं, तो वास्तविक हिमाचल दिखाई देता है। उम्मीद है अगले कुछ दिनों में मुख्यमंत्री की सुबह की सैर विभिन्न विभागों को नींद से जगाएगी। वैसे आजकल बहुत सारे सोए हुए महकमे जाग रहे हैं। प्रशासन ऐसा जागा कि शहर से आवारा पशु भाग गए। पुलिस ऐसी जागी कि सडक़ों पर पार्किंग की दामाद बनीं गाडिय़ां अचानक गायब हो गईं। ट्रैफिक जाम नहीं होते इस शहर में आजकल वीआईपी चलते हैं। चाहे यह भ्रम हो, लेकिन चंद दिनों के लिए आम नागरिक को भी भरोसा हो जाता है।

-सुनील कुमार महला

सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती है

जीवन में सफलता का सम्यक पैमाना।मान नियम है; यही वह अक्षय शक्ति है जिसके प्रभाव से ब्रह्मांड से लेकर सूक्ष्मतम कण तक निरंतर रूपांतरण की प्रक्रिया से गुजरते हैं। समय की धारा में नवीन मूल्यों का उद्भव और जर्जर मूल्यों का विस्थापन एक शाश्वत सत्य की भाँति सदा से स्वीकार्य रहा है। मानव सभ्यता का सम्पूर्ण इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि उन्नति की हर सीढ़ी अदम्य जिज्ञासा, जिजीविषा, प्रबल उत्साह, निडर आशावादिता और अविरत पुरुषार्थ के बल पर ही संभव हुई है। स्वामी विवेकानंद के शब्द– सत्य की शक्ति मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान करती है– केवल उपदेश मात्र नहीं, बल्कि अनुभव-सिद्ध और आत्म-साक्षात्कार से उद्भूत दर्शन है। मानव जीवन में सत्य और धन–ये दोनों तत्व सदैव से निर्णायक कारक रहे हैं, किन्तु इनकी परस्पर भूमिका समय और परिस्थिति के अनुसार बदलती रही है। सत्य का मूल्य सार्वकालिक, अपरिवर्तनीय और दिव्य है, जबकि धन का महत्व व्यवहारिक जीवन की सुगमता और व्यवस्थित समाज-निर्माण तक सीमित है। धन की उपस्थिति विकास के लिए आवश्यक अवश्य है, परंतु उसका अतिरेक व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की दिशा को दिग्भ्रमित कर सकता है। सत्य की भाँति स्थायी आधार पर धन का संतुलित प्रयोग ही विकास को सार्थक एवं मानवीय बनाता है। गलत मार्ग से अर्जित धन घोर अंधकार है, जबकि सत्य जीवन का शाश्वत प्रकाश–जिसकी आभा कभी मंद नहीं पड़ती। भारतीय दर्शन यही प्रतिपादित करता है कि धनबल सब कुछ नहीं; सत्य के अभाव में धन निरर्थक, अधूरा तथा अंततः विनाशकारी है। सत्य सिद्धांत के बिना धन की मीमांसा अधूरी है, ठीक वैसे ही जैसे शरीर प्राण के बिना।

प्राचीन भारतीय परम्परा में धन जीवन के साधन रूप में प्रतिष्ठित हुआ, परंतु सत्य जीवन के परम उद्देश्य और चरम साधना के रूप में आदर प्राप्त करता आया है। निवृत्ति, संयम, त्याग, तप, संतोष और विवेक–इन मूल्यों की तुलना में भोगवाद को किसी भी समय वरीयता नहीं दी गई, अतः सत्य का गौरव कभी दमन नहीं हुआ। वेदों तथा पुराणों में कहा गया है कि सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र में आच्छादित है; जब धन मुखर होता है तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है, पर धन का अतिरेक होते ही सत्य पुनः उद्भासित हो उठता है। सत्य सनातन शक्ति है, धन मिथ्या; धन क्षणभंगुर, सत्य अनादि-अनन्त। भारतीय संस्कृति ने सत्य को मन, वचन और कर्म की त्रिवेणी में अद्वैत के रूप में प्रतिष्ठित किया है। 'साँच को आंच नहीं', 'सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात', 'नैति सत्यं' जैसी कहावतें और मुंडक उपनिषद का दिव्य वाक्य सत्यमेव जयते भारतीय चित्त और चरित्र की सर्वोच्च पहचान हैं। यही मंत्र आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है–जो केवल संविधान की शोभा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आत्मा की ध्वनि है। वैदिक दर्शन से लेकर जैन, बौद्ध, सिख, ईसाई और इस्लामी चिंतन तक सभी ने सत्य को सर्वोपरि माना है। परंतु औद्योगिक क्रांति के पश्चात पश्चिम में भोगवाद और पूँजीवाद के विस्तार ने आर्थिक तत्व को प्रमुख जीवन-निर्धारक सिद्धांत बना दिया। वैश्वीकरण, उदारीकरण और पूँजी-केन्द्रित विकास की नयी दुनिया में राजनीति, समाज, धर्म, अध्यात्म, न्याय, शिक्षा, मीडिया, पर्यावरण, यहाँ तक कि पारिवारिक संबंध भी अर्थ-बल के नियमों पर संचालित होने लगे। आज स्थिति यह है कि धन के बल पर शक्ति, प्रतिष्ठा, मान-सम्मान, सत्ता, निर्णय और प्रभाव खरीदा जाने लगा है। निर्धन का सत्य, चाहे वह कितना ही पवित्र अथवा तार्किक क्यों न हो, अक्सर महत्वहीन समझ लिया जाता है। इसके विपरीत धनवान का असत्य भी सम्मानित होकर आदर्श का रूप ले लेता है। न्यायपालिका, विधायिका तथा कार्यपालिका में सत्य के दमन के अनगिनत उदाहरण प्रतिदिन सामने आते हैं। न्याय अब गरीब का अधिकार न रहकर धनी वर्ग की मुट्ठी में बंद तिजोरी बन गया है–जहाँ निर्णय की कीमत तौल में मापी जाती है।

चुनावों में धनबल का प्रभाव, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, मीडिया का दमन या प्रबंधन, व्यावसायिक और राजनीतिक भ्रष्टाचार–ये सब सत्य पर प्रश्नचिह्न बनकर उपस्थित हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर सम्पन्न देशों की दादागिरी सत्य को दबा देती है, और विकासशील देशों को बलि का बकरा बनाकर खड़ा कर दिया जाता है।

जलवायु सम्मेलन असफल इसलिए होते हैं क्योंकि धन की आवाज सत्य की पुकार को परास्त कर देती है। आज मनुष्य व्यक्तिगत स्तर पर भी दिन में अनेक बार धनबल, भय, स्वार्थ या सुविधा के लिए अपने अंतःकरण का दमन करता है और सत्य को मौन कर देता है। आधुनिक युग की यही विडंबना है–जब धन बोलता है तो सत्य मौन रहता है–पर यह केवल आभासी सत्य है, दार्शनिक या आध्यात्मिक नहीं। क्योंकि सत्य जितना दबाया जाता है उतना ही प्रचंड हो उठता है। किंतु इसके बावजूद सत्य का वैश्विक महत्व, उसकी सार्वभौमिकता और उसकी अदम्य शक्ति को कोई नकार नहीं सकता। स्वामी विवेकानंद ने कहा– सत्य में वह सामर्थ्य है जो मनुष्य को असीम शक्ति और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है। यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो विश्व की कोई शक्ति तुम्हें रोक नहीं सकती। यही सत्यमेव जयते का वास्तविक संदेश है–सत्य की विजय अवश्यम्भावी है। सत्य ही जीवन का शाश्वत प्रकाश है, सत्य ही मनुष्य का सर्वोच्च धर्म है, सत्य ही प्रकृति का मूलाधार है, और सत्य ही मानवता की अंतिम आशा।

-संजीव ठाकुर

एड्सः वह लड़ाई जो शरीर नहीं, समाज हार रहा है

मानव सभ्यता के इतिहास में कुछ सत्य ऐसे हैं जिन्हें जितना समझना चाहें, वे उतनी ही गहराई में हमें नए प्रश्नों के सामने खड़ा कर देते हैं। यह दुनिया कभी सिर्फ बीमारियों से नहीं बिखरी यह हमेशा गलतफहमियों, चुप्पियों और उस मौन भय से टूटी है जो हमारी सोच के अंधे कोनों में धीरे-धीरे पनपता रहता है। एचआईवी/एड्स भी ऐसा ही एक सत्य है सिर्फ संक्रमण नहीं, बल्कि मनुष्य की सामाजिक संरचना, वैज्ञानिक खोज, नैतिक अवधारणाओं और हमारी सामूहिक जिम्मेदारियों की कठोर परीक्षा। विश्व एड्स दिवस इस परीक्षा का स्मरण नहीं, बल्कि उस मानव साहस की पुनर्पुष्टि है जो हर अंधकार में रोशनी तलाशने की जिद लिए खड़ा रहता है।

हम अक्सर एड्स को केवल एक बीमारी मान लेते हैं, जबकि वास्तव में यह तीन जटिल परतों में बंटी एक गहन चुनौती है विज्ञान की चुनौती, समाज की चुनौती और चेतना की चुनौती। विज्ञान की चुनौती सबसे सीधी दिखती है- वायरस शरीर में कैसे प्रवेश करता है, प्रतिरक्षा प्रणाली को कैसे तोड़ता है, दवाएं कैसे काम करती हैं और उपचार लंबा क्यों चलता है। पर कम सुना गया वह वैज्ञानिक संघर्ष है जिसने वर्षों तक असफल प्रयोगों, कठोर परीक्षणों और मानवीय पीड़ा के बीच इस वायरस को समझने की कोशिश की। दुनिया भर की प्रयोगशालाओं में शोधकर्ता इसकी हर नई चाल से जूझते रहे कभी यह जानने के लिए कि यह कोशिकाओं को भीतर से कैसे ढहाता है, तो कभी यह समझने के लिए कि यह अपना रूप बदलकर दवाओं को कैसे मात देता है। यह लड़ाई अभी भी अधूरी है; हम जितना इसे खत्म करने के करीब लगते हैं, यह अपनी ही परतों में उतना ही गहरे छिप जाता है।

दूसरी और सबसे कड़ी परत समाज की है। एड्स जितना शरीर को तोड़ता है, उससे कहीं अधिक मनुष्य की गरिमा को घायल करता है। यह उन बीमारियों में से एक रही है जिसमें मरीज को रोग से पहले ही आरोपी बना दिया गया। लोग संक्रमित शरीर से ज्यादा संक्रमित चरित्र खोज लेते हैं मानो बीमारी कोई नैतिक फैसला हो। क्या यह विडंबना नहीं कि एक सूक्ष्म वायरस हमें बताता है कि असली खतरा संक्रमण नहीं, हमारी दृष्टि का पूर्वाग्रह है? दुनिया के कई हिस्सों में आज भी लोग टेस्ट कराने से डरते हैं, क्योंकि भय वायरस का नहीं, समाज के तिरस्कार का है। गाँवों में, कस्बों में, यहाँ तक कि बड़े शहरों के शिक्षित घरों में भी यह बीमारी चिकित्सा तथ्य से अधिक चरित्र का आरोप बनकर उभरी। अभी भी फुसफुसाहट उठती है उसे यह कैसे हो गया? पर विरले ही कोई पूछता है उसे अब हमारी जरूरत कितनी होगी? यही असंतुलन सबसे कम समझा गया सच है- एड्स का इलाज बढ़ रहा है, पर उससे जुड़ी शर्म का नहीं।

तीसरी परत चेतना की है वह भीतर की लड़ाई जिसे हर व्यक्ति को स्वयं लड़ना पड़ता है। यह संघर्ष केवल संक्रमित लोगों का नहीं, उन सभी का है जो जीवन और मानवता को समझते हैं। क्या हम जानते हैं कि आज विज्ञान इतनी आगे बढ़ चुका है कि एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति सामान्य जीवन, सामान्य आयु और सामान्य संबंधों के साथ पूरी तरह स्वस्थ रह सकता है? अनडिटेक्टेबल = अनट्रांसमिटेबल, यह सिद्धांत वैश्विक विज्ञान की सबसे बड़ी जीतों में से एक है, पर क्या यह सच उतनी तेजी से फैला जितनी तेजी से भय और अफवाहें फैलीं? नहीं। भय लोगों को डॉक्टर के द्वार तक नहीं पहुंचने देता। भय टेस्ट कराने से रोकता है। भय दवा की नियमितता तोड़ता है। और यही भय वे दीवारें खड़ी करता है जिनके पीछे लोग चुपचाप टूटते हैं जबकि वे बिल्कुल सामान्य जीवन जी सकते थे। वैज्ञानिकों ने वायरस को परास्त करने का मार्ग खोज लिया है, पर समाज अब भी डर के आगे झुक रहा है और इस पराजय का कोई लेखा-जोखा दर्ज नहीं होता। विडंबना यह है कि एड्स से जुड़े सकारात्मक सत्य आज भी उतनी मजबूती से नहीं बोले जाते, जितने शोर से कभी डर बोला गया था। आज भी अनगिनत लोगों को यह नहीं पता कि एआरटी (एंटी रेट्रोवाइरल थैरेपी) न केवल व्यक्ति को स्वस्थ रखती है, बल्कि उसे दूसरों के लिए पूरी तरह सुरक्षित भी बना देती है। कई लोग यह भी नहीं जानते कि सही देखभाल मिले तो एचआईवी पॉजिटिव गर्भवती महिला का बच्चा पूरी तरह स्वस्थ जन्म ले सकता है। और अनेक युवा यह समझे बिना बढ़ते हैं कि एड्स केवल असुरक्षित यौन संबंधों से नहीं, बल्कि असुरक्षित सुइयों, संक्रमित रक्त और अनजानी चिकित्सीय लापरवाहियों से भी फैल सकता है। यह सच जितना अनिवार्य है, उतना ही दुर्लभ चर्चा में मिलता है।

एड्स हमें एक और अनकहा सबक देता है यह बीमारी केवल शरीर पर नहीं, समय पर भी कब्जा कर लेती है। यह भविष्य की योजनाएँ तोड़ती है, रिश्तों में खामोशी का अंतराल बना देती है, और जीवन की लय रोक देती है। पर इसके बावजूद, इससे जूझने वालों के भीतर एक अद्भुत साहस जन्म लेता है वह साहस जो कहता है कि बीमारी मेरी पहचान तय नहीं करेगी। दुनिया भर में लाखों लोग एड्स के साथ जीवन नहीं काट रहे, जीवन जी रहे हैं काम कर रहे हैं, प्रेम कर रहे हैं, सपनों को आकार दे रहे हैं और यही उनका साहस मानवता की सच्ची विजय है।

-प्रो. आरके जैन

भारत के शहरी भविष्य की नई सोचः लोगों को ध्यान में रखकर शहर बसाने की दरकार

शहर अचानक नहीं बन जाते। वे समय के साथ तैयार होते हैं। शहरों के निर्माण में नीतियों, निर्णयों, फौरी उपायों, दुर्घटनाओं और रखरखाव आदि सभी का हाथ होता है। जब अर्थव्यवस्था का विस्तार होता है तो वे फैलते हैं, जहां शासन कमजोर होता है वहां वे कमजोर पड़ते हैं। उनका जीवन इस बात पर निर्भर करता है कि लोग उनका किस प्रकार उपयोग करते हैं बजाय कि इस बात के कि उनके निर्माण के लिए क्या योजना बनाई गई थी।

भारतीय शहर भी इसके अपवाद नहीं हैं। हमारे अधिकांश शहर महत्त्वाकांक्षा और तात्कालिकता के संगम पर विकसित हुए हैं। वे अक्सर उन प्रणालियों से कहीं अधिक तेजी से बढ़े हैं जिन पर वे आधारित हैं। अनुमान है कि वर्ष 2036 तक भारतीय शहरों में करीब 60 करोड़ लोग रह रहे होंगे और वे सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में करीब 70 फीसदी का योगदान देंगे। इसके बावजूद यह स्पष्ट है कि इस विकास का बड़ा हिस्सा बिना किसी सुसंगत डिजाइन या साझा उद्देश्य के हुआ है और होता ही जा रहा है। यही वजह है कि दशकों तक निर्माण, प्रतिक्रिया और समायोजन के बाद अब यह प्रश्न स्पष्ट रूप से सामने आता है कि डिजाइन पर बातचीत पहले कभी इतनी जरूरी नहीं थी।

डिजाइन को अक्सर सौंदर्य, मुखड़े, साफ-सुथरे रेखांकन और प्रतीकात्मक संरचनाओं का प्रतीक माना जाता है। शहरों के संदर्भ में यह केवल दिखावटी नहीं होता बल्कि ढांचागत भी होता है। यह निर्धारित करता है कि कौन स्वागतयोग्य महसूस करता है और कौन अलग-थलग। कौन आगे बढ़ने योग्य होता है और कौन फंसा रहता है। यह निर्धारित करता है कि सार्वजनिक जीवन खुले में फलेगा-फूलेगा या गेटों, दीवारों और निजी मॉल के पीछे दम तोड़ देगा। रिक ग्रिफिथ्स ने डिजाइन को नियंत्रण के एक तंत्र के रूप में प्रस्तुत किया है, जो दिखने में तटस्थ लगने वाले नियोजन निर्णयों के माध्यम से शक्ति और पहुंच को आकार दे सकता है।

उदाहरण के लिए, बिना फुटपाथ वाली चौड़ी सड़क कारों को विशेषाधिकार देती है। आरपार न देखे जा सकने वाली गेटेड कम्युनिटी पड़ोस की पारिस्थितिकी को खंडित करती है। बिना आंतरिक संपर्क के विचार के बनाई गई मेट्रो लाइन उन लोगों के खिलाफ पक्षपाती होती है जिनके पास वाहन नहीं हैं। इस प्रकार निर्मित रूप स्वयं एक निर्देश बन जाता है।

परंतु एक और तरीका है जिसके माध्यम से डिजाइन पर विचार किया जा सकता है। यह जमीनी नहीं लेकिन अनुभव आधारित है। मानव केंद्रित डिजाइन एक उपयोगी प्रतिविचार पेश करता है- अनुमानों के आधार पर डिजाइन करने के बजाय हम जीवंत वास्तविकता के आधार पर डिजाइन तैयार करते हैं। टेक्सस में अल पासो सिटी का उदाहरण यही दिखाता है। जब निवासियों ने कोविड परीक्षण केंद्रों से दूरी बनाई, तो स्थानीय सरकार ने न तो दोषारोपण किया और न ही अधिक संकेतक लगाए। उन्होंने देखा, सुना और पुनः डिजाइन किया। छोटे-छोटे हस्तक्षेपों ने व्यवहार बदल दिया। यह सबक परीक्षण केंद्रों के बारे में नहीं है। यह दृष्टिकोण के बारे में है। यह निर्णय लेने से पहले शासन द्वारा सुनने के बारे में है। भारत में न केवल यह बदलाव वांछित है बल्कि जरूरी भी है। हमारे शहर भविष्य की ओर इतनी तेज गति से बढ़ रहे हैं कि उन्हें इरादों की सख्त जरूरत है। वर्ष2011 और 2036 के बीच भारत की शहरी आबादी के करीब तीन-चौथाई बढ़ने की उम्मीद है।

-धनंजय राजौरा

शाजापुर में कोचिंग से घर जा रही नाबालिग को छेड़ा

चार युवकों ने मां व भाई से की मारपीट, पुलिस ने किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़, मारपीट और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। यह शनिवार रात करीब 8.30 बजे की है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि वह कोचिंग से घर लौट रही थी। लक्ष्मीनगर स्थित हनुमान मंदिर के पास रोहित नामक युवक ने उससे जबरन बात करने की कोशिश की। जब छात्रा ने मना किया तो उसने उसका हाथ पकड़ लिया। इसी दौरान छात्रा की मां और उसका भाई मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी उन युवकों को समझाने का प्रयास किया। इस पर आरोपी रोहित ने गाली-गलौच शुरू कर दी और विरोध करने पर मारपीट की। इसके बाद योगेश और 2-3 अन्य युवक भी वहां आ गए। सभी ने मिलकर छात्रा की मां के साथ मारपीट की, जिसमें उनका मंगलसूत्र और चेन टूट गई। इस घटना में छात्रा के भाई को भी चोटें आई हैं, जबकि मां के गले और सिर में चोट लगी है। आरोपियों ने जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने छात्रा के आवेदन के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75(1)(प), 115(2), 296, 351(3), 3(5) और पाक्सो एक्ट की धारा 7/8 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।

क्षेत्र मे मची अफरा-तफरी, पुलिस ने शांत किया माहौल- घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई और मौके पर भीड़ जमा हो गई, जिसके बाद वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने मामला शांत कराया और भीड़ को हटाया। जिसके बाद स्थिति सामान्य हो सकी।

श्री मुनिसुव्रत स्वामीजी की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नयापुरा चौक स्थित नवनिर्मित जैन मंदिर में 20 वें तीर्थंकर श्री मुनिसुव्रत स्वामीजी की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। श्रद्धा, आनंद और उत्साह की त्रिवेणी से अद्भुत भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ। इसी बीच आचार्य श्री जिनसुंदर सुरीश्वरजी एवं धर्मबोधित सुरीश्वरजी ने प्रतिष्ठा संपन्न की तो विशाल भक्त समुदाय खुशी से नाच उठा। माता बहनों ने मंगल गीत गाए। इस अवसर पर देवास नगर जैन समाज की सभी संस्थाओं के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने मिलकर पूज्यश्री से 2027 के चातुर्मास की पुरजोर विनंती की। प्रवक्ता विजय जैन ने बताया कि इस अवसर पर विशाल धर्मसभा को उपदेशित करते हुए पूज्यश्री ने कहा कि प्रभु को मंदिर के साथ मन मंदिर में भी प्रतिष्ठित करते हुए उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलना ही सच्ची उपासना है। संसार में चार दुर्लभ वस्तुएं है। प्रथम जिन शासन, द्वितीय जिनवाणी, तृतीय जिनवाणी के प्रति श्रद्धा और चौथी है प्रभु के बताए मार्ग का सच्चा अनुसरण। जिस प्राणी ने भी यह दुर्लभ प्राप्त कर लिया उसकी आत्मा का कल्याण सुनिश्चित है। मंदिर निर्माण एवं महोत्सव का आयोजन प्रेम कुमार विजय कुमार सेठिया परिवार ने किया। प्रभु भक्ति पर यश जैन उज्जैन ने झुमाया। पूजन विधान विक्रम भाई हुबली ने संपन्न किया। 1 दिसम्बर को सुबह नवीन मंदिर का द्वार उद्घाटन कार्यक्रम होगा।

पंजीकृत किसानों का सत्यापन कार्य 12 तक पूरा करने के निर्देश

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज उपार्जन हेतु पंजीकृत किसानों के सत्यापन के संदर्भ में दिशा निर्देश जारी किए गए। तदानुसार उक्त कार्य 12 दिसम्बर तक पूरा करने के निर्देश प्रसारित किए गए हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज उपार्जन के लिए ई-उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन हेतु जारी निर्देश की कंडिका 6 के अनुसार सिकमी, बटाईदार, वन पट्टाधारी किसानों के पंजीयन सहकारी समिति एवं सहकारी विपणन संस्था द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्रों पर करने की व्यवस्था की गई थी, जिसमें अनुबंध सिकमीनामा की प्रति पोर्टल पर अपलोड करने तथा पंजीकृत किसान की भूमि एवं फसल का सत्यापन राजस्व विभाग के अमले द्वारा किए जाने का प्रावधान किया गया है। जिलेवार पंजीकृत किसानों की जानकारी जारी की गई है। कतिपय जिलों में सिकमी, बटाईदार, वन पट्टाधारी किसान पंजीयन हेतु निर्धारित अनुबंध पोर्टल पर अपलोड किया जाना नही पाये जाने से किसान पंजीयन संदेहास्पद होने की संभावना है, अतएव सिकमी, बटाईदार, वन पट्टाधारी पट्टाधारी श्रेणी अंतर्गत पंजीकृत किसानों का सत्यापन की कार्यवाही निम्नानुसार की जाए सिकमी, बटाईदार, वन पट्टाधारी के सत्यापन हेतु पंजीयन केन्द्रवार खाद्य, सहकारिता, राजस्व विभाग के अमले का संयुक्त जांच दल गठित किया जाए।

सीईओ संजीव कुमार झा ने मतदाताओं को किया साइबर फ्राड से सचेत

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। एसआईआर-2026 के दौरान गणना पत्रक भरने के लिए बीएलओ या किसी भी अन्य अधिकारी द्वारा किसी भी माध्यम से ओटीपी मांगे जाने की आवश्यकता नहीं है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने मतदाताओं को सतर्क करते हुए बताया है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची में स्वयं, माता-पिता या दादा-दादी संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए मतदाता अपने क्षेत्र के बीएलओ अथवा नजदीकी हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा जानकारी ऑनलाइन voters.eci.gov.in या ceoelection.mp.gov.in पर भी प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने नागरिकों से अनुरोध किया है कि एसआईआर पत्रक भरते समय सुरक्षा उपायों का पालन करें। आधिकारिक सरकारी वेबसाइट पर ही एसआईआर भरें।

ये हैं सुरक्षा उपाय- ओटीपी या व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करें। एसआईआर की प्रक्रिया में निर्वाचन विभाग या किसी अधिकारी द्वारा फोन/मैसेज पर ओटीपी, आधार नंबर, मोबाइल नंबर आदि मांगना प्रक्रिया का हिस्सा नहीं है। यदि कोई इस तरह की जानकारी माँगता है तो वह साइबर फ्रॉड कॉल हो सकता है।

एसआईआर भरते समय इन बातों का रखें ध्यान- एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। किसी भी प्रकार की फीस, प्रोसेसिंग चार्ज या भुगतान करने के लिए कहे जाने पर ध्यान दें-ऐसे संदेश/कॉल धोखाधड़ी हो सकते हैं। व्हॉट्सऐप या सोशल मीडिया पर मिले लिंक न खोलें। आपका वोटर कार्ड रद्द हो जाएगा, तुरंत एसआईआर भरें जैसे संदेश फर्जी हो सकते हैं। एसआईआर के लिये साइबर कैफे का उपयोग करते समय सतर्क रहें। ऑटो-सेव बंद रखें, कार्य समाप्त होने पर ब्राउजर इतिहास/कैश साफ़ करें और अनिवार्य रूप से लॉगआउट करें। किसी भी संदिग्ध कॉल, लिंक या गतिविधि की तुरंत रिपोर्ट राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल- www.cybercrime.gov.in अथवा हेल्पलाइन- 1930 पर कर सकते हैं।

डीजे पर अश्लील गाने बजाने पर दो पक्षों में हुआ विवाद

ग्राम पतौली में भिड़े दो पक्ष, पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ किया मामला दर्ज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम पतौली में शनिवार रात एक शादी समारोह के दौरान वर निकासी के समय दो पक्षों में विवाद हो गया। स्थिति तनावपूर्ण होते ही लालघाटी पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। दूल्हे के छोटे भाई की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार को पतौली गांव से जितेन्द्र परमार की बारात मक्सी के लिए रवाना हो रही थी। दूल्हे को घोड़ी पर बैठाकर जुलूस निकाला जा रहा था। तभी गांव के कुछ लोगों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और मारपीट की स्थिति बन गई। दूल्हे पक्ष की शिकायत पर पुलिस ने गांव के भारत सिंह, नरेंद्र सिंह, विजेंद्र सिंह और लाल सिंह के खिलाफ मारपीट करने और जातिसूचक गालियां देने का मामला दर्ज किया है। शिकायत दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। लालघाटी टीआई अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस की दो टीमें गांव पहुंचीं और विवादरत पक्षों को शांत कराया। उन्होंने कहा कि अब गांव में स्थिति पूरी तरह सामान्य है और आगे की कार्रवाई कानून अनुसार जारी है।

इसलिए शुरू हुआ विवाद- ग्रामीणों के अनुसार अश्लील गानों और डांस का विरोध करने पर दूल्हे पक्ष की ओर से विवाद किया गया और पुलिस में झूठा मामला दर्ज कराया गया। उन्होंने आवेदन देकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। लालघाटी थाना प्रभारी अर्जुन सिंह मुजाल्दे ने बताया कि पतौली गांव में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। दूल्हे पक्ष की शिकायत पर चार ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आज बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने दूल्हे पक्ष के खिलाफ शिकायत की है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सभापति के आव्हान पर जनता ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

128 वें कार्यक्रम में वार्डवासियों सहित सांसद भी हुए शामिल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के वार्ड क्रमांक 29 में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 128वीं मन की बात कार्यक्रम का आयोजन वृहदस्तर पर किया गया। इस दौरान एलईडी स्क्रीन के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। जिसे सुनने के लिए बड़ी संख्या में वार्डवासियों सहित क्षेत्रीय सांसद तथा भाजपा पदाधिकारी भी शामिल हुए।

वार्ड क्रमांक 29 के भाजपा के बूथ अध्यक्ष सुनील वर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 128वें मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुबह 10.30 बजे किया गया। इस दौरान वार्ड 29 के पोलिंग बूथ क्रमांक 205 स्थित श्री विनायकेश्वर महादेव मंदिर परिसर स्टेशन रोड़ पर आयोजन रखा गया। जिसमें क्षेत्रीय पार्षद एवं नगर पालिका सभापति दिनेश सौराष्ट्रीय द्वारा किए गए आव्हान पर बड़ी संख्या में वार्ड के महिला एवं पुरुषों ने उपस्थित होकर प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन की बात को सुना। इस अवसर पर मुख्य रूप से क्षेत्रीय सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष पं. आशीष नागर भी कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी उपस्थितजनों ने बड़ी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री के विचारों को गंभीरता से सुना। मन की बात कार्यक्रम के समापन उपरांत उपस्थित समस्त अतिथियों द्वारा आयोजन स्थल पर नव प्रतिष्ठित श्रीविनायकेश्वर महादेव मंदिर में स्थापित शिवलिंग की विधि विधान से पूजा-अर्चना भी की गई। कार्यक्रम के अंत में आभार सभापति दिनेश सौराष्ट्रीय ने व्यक्त किया। इस मौके पर मांगीलाल सौराष्ट्रीय, सुनील नाहर, गोकुलसिंह पंवार, अशोक नाथ, दुल्हेसिंह दरबार, विष्णु बड़े, राधेश्याम सौराष्ट्रीय, भरत शर्मा, रमेश सौराष्ट्रीय, सचिन भदौरिया, डॉ. जितेन्द्र पंवार, सुरेश सरदार तथा मुकेश सौराष्ट्रीय सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी महिला पुरुष उपस्थित थे।

विश्व दिव्यांग दिवस पर होगा उपकरणो का वितरण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व दिव्यांग दिवस 03 दिसंबर को दिव्यांगजनो एवं वृद्धजनों को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र बापू की कुटिया के पास शाजापुर में विधायक एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा।

डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी उपसंचालक सामाजिक न्याय नेहा गंगारे ने बताया कि जिले की जनपद पंचायत शाजापुर में 04 फरवरी, जनपद पंचायत मो. बड़ोदिया में 05 फरवरी को दिव्यांगजनो/वृद्धजनो का एवं जिला स्तरीय 30 जुलाई 2025 को वृद्धजनों को सहायक उपकरण वितरण के लिए एल्मिको द्वारा चिहांकन शिविर का आयोजन किया गया था। जिसमें पात्र दिव्यांग जिन्होंने शाजापुर एवं मो बड़ोदिया में चिन्हांकन करवाया है उन्हें आना है एवं समस्त वृद्धजन जिन्होने जिला स्तर/निकाय स्तर पर परीक्षण करवाया है। उक्त दिव्यागजनो को स्वयं उपस्थित होकर समग्र आईडी, आधार कार्ड एवं ऐल्मिको द्वारा दी गई उपकरण स्लीप/पर्ची साथ लेकर आना अनिवार्य है।

दो घंटे से इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं से चार सेकंड ही मिले सिंधिया

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भाजपाईयों को निराश कर दिया और महज चार सेकंड रूककर उनसे हाथ मिलाया और रवाना हो गए। वे अपने वाहन से भी नहीं उतरे और इंदौर के लिए रवाना हो गए।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया शनिवार रात करीब आठ बजे अल्प-प्रवास पर शाजापुर पहुंचे। वे गुना से इंदौर जा रहे थे और टुकराना जोड़ पर कुछ समय के लिए रुके। वहां भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान प्रदेश मंत्री क्षितिज भट्ट के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नेता ठंड की मौसम में लगभग दो घंटे इंतजार करते रहे। जैसे ही सिंधिया पहुंचे कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूलमालाओं से वंदन किया और नारेबाजी की। हालांकि उनका यह प्रवास बेहद संक्षिप्त रहा। सिंधिया ने कार्यकर्ताओं से चिंहित रूप से सिर्फ चंद सेकेंड बातचीत की और तुरंत आगे के लिए रवाना हो गए। इतने कम समय मिलने के कारण कई भाजपा नेता और पदाधिकारी उनसे मुलाकात भी नहीं कर पाए। इससे कार्यकर्ताओं में निराशा देखी गई।

दो घंटे से बायपास पर खड़े रहे कार्यकर्ता- केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया के आने का समाचार मिलने के बाद सभी समर्थकों को सूचित किया गया था कि श्री सिंधिया शाम 6 बजे टुकराना बायपास पर पहुंचेंगे। इस सूचना के बाद बड़ी संख्या में सिंधिया समर्थक बड़ी संख्या में सज-धजकर वहां पहुंच चुके थे। इस दिन सर्दी भी थी लेकिन कार्यकर्ता अपने नेता का इंतजार करते रहे। करीब दो घंटे तक सभी सर्दी में डटे रहे, लेकिन सिंधिया चार सेकंड ही रूके और बिना बात किए वहां से निकल लिए।

हिंद मजदूर सभा की नई कार्यकारिणी का गठन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संगठन मंत्री प्रेम सिंह जाटव ने बताया कि 30 नवंबर 2025 को हिंद मजदूर सभा बैंक नोट मुद्रणालय देवास की नई कार्यकारिणी का विधानुसार गठन किया गया। साधारण सभा की अध्यक्षता सूरज शर्मा द्वारा की गई। नवीन लिटोरिया प्रदेश महामंत्री एचएमएस संरक्षक, अनिलराज सिंह सिकरवार कानूनी सलाहकार, कमल सिंह चौहान एवं ओम प्रकाश यादव उप संरक्षक, ईश्वर सिंह बारोड अध्यक्ष, जय प्रकाश यादव कार्यवाहक अध्यक्ष, सूरज शर्मा प्रभारी, जगदीश सिंह राजपूत महामंत्री, प्रेम सिंह जाटव संगठन मंत्री, चरण सिंह अहिरवार एवं धर्मेंद्र चौहान उप महामंत्री, हेमंत कदम, दिनेश वर्मा, विशाल पंवार, आनंद नामदेव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रवि रंजन सिंह, विनोद वानखेड़े, अमित पाल उपाध्यक्ष, अरुण यादव संयुक्त सचिव, कुलदीप सिंह, पंकज पटवान सचिव, तेजाराम कोषाध्यक्ष, रविन्द्र कुमार उप कोषाध्यक्ष, पिंटू कुमार प्रचार मंत्री एवं कार्यकारणी सदस्य चुने गए। उपसंरक्षक कमल सिंह चौहान एवं ओम प्रकाश यादव ने अंग वस्त्र डालकर नव निर्वाचित कार्यकारिणी का स्वागत किया था संघ को ओर मजबूत करने की अपील की। महामंत्री राजपूत ने बताया कि ढाई वर्षों से लेकर हम लगातार संगठन एवं कर्मचारी हित में कार्य कर रहें हैं जिसमें चाइल्ड एजुकेशन अलाउंस के बकाया एरियर का भुगतान एचएमएस की सबसे बड़ी उपलब्धि रहा है जिससे सैकड़ों कर्मचारी लाभान्वित हुए हैं। इसके बावजूद भी सातवें वेतन आयोग के नियमों के गलत व्याख्या की वजह से वेतन विसंगतियां उत्पन्न हुई है जिनका शीघ्र ही समाधान कराया जाएगा। साथ ही आइडीए कर्मचारियों के कुछ ज्वलंत मुद्दे हैं उनको प्राथमिकता से रखा जाएगा तथा संस्थान एवं कर्मचारी हित में आगे भी इसी तरह कार्य करते रहेंगे। मीटिंग में बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। आभार उप महामंत्री चरण सिंह अहिरवार ने माना।

एसएसआई कार्य में लापरवाही पर 26 बीएलओ और दो पटवारियों को नोटिस

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही पर रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एसडीएम देवास द्वारा 26 बीएलओ और दो पटवारियों को नोटिस जारी किए गए। जिसमें पटवारी श्री मनीष शर्मा, श्री अरुण जाटव और बीएलओ श्रीमती प्रमिला भण्डारी, श्रीमती वंदना देवरे, श्रीमती रुकसाद खान, श्री जितेन्द्र मालवीय, श्रीमती रेखा योगी, श्रीमती तरुनम शेख, श्रीमती कल्पना पवार, श्रीमती ममता पंवार, श्रीमती सोनूबाला बैरागी, श्रीमती सुनिता, श्रीमती रोशनी , श्रीमती कान्ता यादव, श्रीमती लक्ष्मी मालवीय, श्रीमती नीता श्रीवास्तव, श्रीमती ज्योति सोलकी, श्रीमती बिंदुबाला शर्मा, श्रीमती कविता राजपूत, श्रीमती जाग्रती यादव, श्रीमती ज्योति मित्तल, श्रीमती सोनी देवडा, श्रीमती रीना बाघेला, श्रीमती किरण, श्रीमती लक्ष्मी, श्रीमती तारा राजोरिया, श्रीमती रिंकु शर्मा, श्रीमती रेखा अम्बोदिया को नोटिस दिया है।

अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। गीता जयंती के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का भव्य एक दिसम्बर को आयोजन जिला मुख्यालय सहित सभी विकासखण्डों व निकायों में किया जाएगा।

जिला मुख्यालय पर सोमवार एक दिसम्बर को विदिशा के रविन्द्रनाथ टैगोर सांस्कृतिक भवन में कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10 बजे किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता द्वारा विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

जिला में 94.79 फीसदी हुआ डिजिटाइजेशन

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य तेजी से जारी है। गहन पुनरीक्षण का कार्य लक्ष्य के करीब पहुंच रहा है। जिले में तीस नवम्बर को दोपहर दो बजे तक 94.79 फीसदी मतदाताओं के गणना पत्रक डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं। विदिशा जिले में मतदाताओं की कुल संख्या 1120532 है जिसमें से तीस नवम्बर की दोपहर दो बजे तक 1012603 मतदाताओं के गणमना पत्रक डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने बताया कि जिले के मतदान केन्द्रों में बीएलओ तथा उनके सहायक पूरे उत्साह के साथ गणना पत्रक का डिजिटाइजेशन कर रहे हैं। जिले में तीस नवम्बर की दोपहर दो बजे तक कुल 94.79 प्रतिशत डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा क्षेत्र विदिशा में लक्ष्य का 84.48 प्रतिशत, बासौदा में 91.42 प्रतिशत, कुरवाई में 93.18 प्रतिशत, सिरोंज में 90.56 प्रतिशत तथा शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र में 92.46 प्रतिशत लक्ष्य तीस नवम्बर की दोपहर दो बजे तक पूरा कर लिया गया है।

मतदाताओं से बड़ी संख्या में गणना पत्रक प्राप्त हो गए हैं। जिन मतदाताओं ने गणना पत्रक वापस नहीं किए हैं वे अपने गणना पत्रक तत्काल बीएलओ को उपलब्ध कराएं। जिले में शेष बचे मतदाताओं की मैपिंग करके उनका डिजिटाइजेशन किया जा रहा है। - शेष पर विशेष प्रयास - शेष गणना पत्रकों के लिए विशेष प्रयास जारी जिले में जिन मतदाताओं के गणना पत्रक लंबित है। इनके लिए बीएलओ, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, कोटवार तथा स्थानीय वालंटियर घर-घर संपर्क कर फॉर्म भरवाने में सहयोग कर रहे हैं। लंबित मतदाताओं की सूची तैयार कर प्रत्येक परिवार से संपर्क किया जा रहा है। मैपिंग संबंधी समस्याओं का समाधान मौके पर ही ऑनलाइन सर्च कर किया जा रहा है।

पलायन मतदाताओं के परिजनों से संपर्क - जिले के ऐसे मतदाता जो मजदूरी के लिए बाहर गए उन मतदाताओं के परिवारजन से विधानसभा एवं जिला कॉल सेंटर द्वारा प्रतिदिन संपर्क किया जा रहा है। वरिष्ठ परिवार सदस्यों के माध्यम से फार्म प्राप्त कर उन्हें ऑनलाइन किया जा रहा है। - 1950 हेल्पलाइन और हेल्प डेस्क सहायक - विशेष पुनरीक्षण में सहायता के लिए टोल-फ्री नंबर 1950 सक्रिय है। जिस पर कई मतदाताओं ने अपनी समस्याओं का हल प्राप्त किया। विधानसभा और जिला स्तर पर स्थापित हेल्प डेस्कों के माध्यम से भी - मैपिंग और गणना पत्रक भरने में निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है।

अपील - एसआइआर कार्य में सहयोग की अपील जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंशुल गुप्ता ने अपील की है कि जिले के शेष मतदाता शीघ्र अपने बीएलओ को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराकर फॉर्म भरवाने में सहयोग करें। ताकि जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को शत-प्रतिशत लक्ष्य तक पहुंचाया जा सके। - उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ सम्मानित - जिले में अब तक 439 बीएलओ द्वारा शत-प्रतिशत गणना पत्रक डिजिटाइज्ड किए जा चुके हैं जिन्हें जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जा रहा है।

सीहोर जिले ने पूर्ण किया एसआईआर का शत-प्रतिशत कार्य

कलेक्टर ने अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए पूरी टीम और मतदाताओं को दी बधाई

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर जिले ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया है। इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बालागुरू के. ने जिले के सभी ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ सहित सीहोर जिले की पूरी टीम एवं मतदाताओं को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि सीहोर जिले की टीम ने अनुशासन, समर्पण और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। यह उपलब्धि जिले की मजबूत प्रशासनिक क्षमता और मतदाताओं के सहयोग का परिणाम है।÷ कलेक्टर ने मतदाताओं का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी जागरूकता और सक्रिय भागीदारी का इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने बताया कि प्रदेश में गणना पत्रकों के डिजिटलाइजेशन का कार्य तेज गति से जारी है। अभी तक मध्यप्रदेश के छः जिलों अशोक नगर, नीमच, बैतूल, गुना, मंडला और सीहोर जिले ने एसआईआर का काम शत् प्रतिशत पूरा कर लिया है। श्री झा ने सभी शासकीय सेवकों और नागरिकों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह उपलब्धि सभी के समन्वित प्रयास और अथक परिश्रम से ही संभव हुई है। रविवार 30 नवंबर शाम तक 5 करोड़ 33 लाख से अधिक गणना पत्रकों का डिजिटलाइजेशन पूरा हो चुका है, जो कुल कार्य का लगभग 93 प्रतिशत है।

श्री झा ने बताया कि प्रदेश के 39 अन्य जिलों ने 95 प्रतिशत से अधिक कार्य पूरा कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके अलावा प्रदेश के 5 जिलों में 92% से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री झा ने डिजिटलाइजेशन में लगे सभी शासकीय सेवकों, बीएलओ तथा सहयोगी नागरिकों के समन्वित प्रयास की सराहना की जिसके चलते निर्धारित समय से पहले ही कार्य पूर्णता की ओर है। उन्होंने कहा कि इसी प्रेरणा और समन्वय से प्रदेश के सभी जिलों में शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा।

मन की बात सभी को एक सूत्र में बांधती है- संभाग प्रभारी रावत

संभाग प्रभारी रावत व भाजपा जिलाध्यक्ष भारती ने कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सुनी मन की बात

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी रणवीरसिंह रावत रविवार को बदनावर क्षेत्र के दौरे पर रहे। उनके साथ भाजपा के प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल व जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती भी थे।

यहां नगर के बूथ नंबर 61 पर भाजपा नेता प्रवीण चालवा के निवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र के मन की बात कार्यक्रम को सुना। यह मन की बात कार्यक्रम का 128वां एपिसोड था। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात के जरिए भारत में खेलों की प्रगति, विंटर टूरिज्म, वोकल फॉर लोकल के साथ ही वाराणसी में होने वाले काशी-तमिल संगम का जिक्र किया।

इस मौके पर संभाग प्रभारी रावत ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जन-जन को एक सूत्र में पिरोकर राष्ट्र के उत्कर्ष की दिशा में आगे बढाने का सशक्त माध्यम बना है। हमे स्थानीय उत्पादों की खरीदी ही करना है। स्वदेशी सामान खरीदे व दूसरे को भी प्रेरित करे। मन की बात सभी को एक सूत्र में बांधती है। प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही यह कार्यक्रम जमीनी स्तर पर सरकार की नीतियों और योजनाओं को समझने में सहायक है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से इसे नियमित रूप से सुनने का आग्रह किया।

भाजपा जिलाध्यक्ष भारती ने कार्यकर्ताओ से मन की बात के जरिए प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक विचारों को ध्यानपूर्वक सुनकर उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और स्वदेशी दोनों ही आत्मनिर्भर और विकसित भारत के आधार हैं। भारती ने प्रधानमंत्री के संदेशों को समझने और उन्हें अपने क्षेत्र में लागू करने की बात कही।

इस मौके पर नगर मण्डल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मनोज़ सोमानी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र जाट, राजेद्र सराफ, शिवराम सिंह रघुवंशी, जहांगीर लाला मंसूरी, नजमुद्दीन बोहरा, बाबुलाल जाट, अक्षय शर्मा, जितेंद्र शर्मा, धर्मेंद्र गांधी, मितेश शर्मा, अंशुमन जोशी, कुलदीप सिंह सक्तावत, अमृतलाल पाटीदार, पंकज जायसवाल, गजेन्द्र सिंह डोडिया, नवीन चौहान, प्रवीण चावला, गोलू गोखरू, हरीश महेश्वरी, बसंत खारोल, संतोष सोनगरा, मनोज सोलंकी समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

एसआईआर को लेकर ली जानकारी, इसके पहले स्थानीय सर्किट हाउस पर रावत व भारती पहुंचे। जहां एसआईआर के विधानसभा संयोजक विक्रम पटेल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र जाट, भाजपा नेता दिनेश गिरवाल, परमानंद पाटीदार, नगर मण्डल अध्यक्ष मनीष गुर्जर, नजमुद्दीन बोहरा, अक्षय शर्मा, कमलेश्वर सिंह चूंडावत आदि ने साफा बांधकर स्वागत किया। इस मौके पर रावत ने विधानसभा क्षेत्र के सभी छह मंडलो में चल रहे एसआईआर अभियान की जानकारी ली व सक्रीयता के साथ लक्ष्य प्राप्त करने की बात कही। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर भी चर्चा की।

कांग्रेस द्वारा जिला संगठन महासचिव पद पर परितोष सिंह राठौड़ बंजी बना को नियुक्त किया

बदनावर। प्रदेश कांग्रेस द्वारा जिला संगठन महासचिव पद पर परितोष सिंह राठौड़ बंजी बना को नियुक्त किए जाने पर आज नगर कांग्रेस द्वारा विधायक भंवर सिंह शेखावत और कार्यकर्ताओं द्वारा बंजी बना का डाक बंगले पर फूल माला पहनकर स्वागत किया।इस अवसर विधायक शेखावत ने कहा कि मैं आशा करता हूं आप धार जिले में कांग्रेस संगठन को मजबूती प्रदान कर नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ऐसा हमें विश्वास है। इस मौके पर नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती सेवादल जिला अध्यक्ष जितेंद्र जोशी विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता, रजत बोकाडिया एवं पार्षद जगदीश पाटीदार, निर्मल वर्मा, विपिन गिरी गोस्वामी,कंवरलाल पाटीदार, अनूप जैन, उमेश पाटीदार,सुरेश पटेल, पप्पू गांधी, आशीष जोशी आर पी सिंह ,सोहन लाल धमाना, चंपालाल जाट, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे। उपयुक्त जानकारी विधायक प्रतिनिधि संदीप माहेश्वरी द्वारा दी गई।

जिले की पहली स्मार्ट कक्षाएं होंगी ग्राम पंचायत दुधाना हाई स्कूल की, जिला पंचायत सीईओ और जिला शिक्षा अधिकारी ने किया शुभारंभ

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शाजापुर जिले की पहली स्मार्ट कक्षाएं होंगी ग्राम पंचायत दुधाना हाई स्कूल की, जहां शासकीय हाई स्कूल मे ग्राम पंचायत दुधाना सरपंच राकेश जायसवाल के अथक प्रयास से प्राथमिक, मिडिल, और हाई स्कूल की कक्षाओ को स्मार्ट क्लास बनाया, जिसका शुभारंभ शाजापुर जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अनुपमा चौहान एवं जिला शिक्षा अधिकारी विवेक दूबे के द्वारा बुधवार दोपहर 1 बजे के करीब किया गया, इस अवसर पर मोहन बड़ोदिया जनपद सीईओ अमृतराज सिसोदिया,बीईओ सुश्री आयुषी भिड़े,संकुल प्राचार्य श्रीमति आशा श्रीवास्तव सहित ग्राम पंचायत के समस्त गणमान्य लोग उपस्थित रहे. ग्राम पंचायत सरपंच राकेश जायसवाल ने बताया कि शाजापुर जिले का पहला ऐसा विद्यालय ग्राम पंचायत दुधाना का होगा जहां पहली कक्षा से हाई स्कूल तक सभी स्मार्ट क्लास रहेगी, सरपंच ने कहा कि 15 अगस्त पर मेरे द्वारा स्कूली छात्रों से जो वादा किया था वो पूरा किया है, इससे ग्राम पंचायत दुधाना के शासकीय हाई स्कूल के करीब 160 बच्चे लाभान्वित होंगे।

जिले में सार्वजनिक आयोजनों के संबंध में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 (2) के तहत पारंपरिक जुलूसों को छोड़कर बिना अनुमति के आयोजित होने वाले जुलूस, प्रदर्शन, धरना-आंदोलन एवं पुतला दहन पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। आदेश में निर्देश दिए गए हैं कि सभी सार्वजनिक कार्यक्रमों एवं आयोजनों में जनसामान्य के आवागमन में किसी भी प्रकार की बाधा, सड़क अवरूध, यातायात में गतिरोध या व्यवसायिक गतिविधियों में रुकावट नहीं होनी चाहिए। आयोजन शांतिपूर्ण, हिंसारहित एवं ध्वनि प्रदूषण रहित होंगे तथा आयोजकों को इसका जिम्मेदार माना जाएगा है। आग्नेय अस्त्र या उनकी प्रतिकृतियाँ कार्यक्रम में ले जाने और उपयोग करने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। प्रतिबंधात्मक आदेश के अनुसार आयोजकों को संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी/नगर दण्डाधिकारी से नगर पुलिस अधीक्षक एवं अन्य पुलिस अधिकारियों के अभिमत लेकर अनुमति लेनी अनिवार्य होगी। इसके अतिरिक्त रैली/जुलूस में शामिल वॉलेंटियर्स की सूची, मोबाइल नंबर, पते, फोटोग्राफ सहित पूर्ण जानकारी आवेदन के साथ प्रस्तुत करनी होगी। रैली मार्ग छोटा, कम व्यस्त तथा यातायात को प्रभावित न करने वाला होना आवश्यक है और आधा मार्ग खाली रखा जाएगा।

बी एलओ हार्ट पेशेंट माता-पिता की मौत हो जाने के बाद भी एस आई आर शत प्रतिशत कार्य पूर्ण

सुनीता देवी ने बताया कि हालात कुछ भी हो काम करने का जुनून होना चाहिए

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया देश भर में चल रहा है एस आई आर का कार्य लगभग पूर्णता की ओर है कहीं 50 तो कहीं 60त्न कार्य पूर्ण हुआ है तो वहीं शाजापुर जिले की गोलाना तहसील स्थित शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के मदाना गांव के मतदान केंद्र क्रमांक 27 कन्या प्राथमिक विद्यालय के बी एलओ श्रीमती सुनीता देवी सिसोदिया जो स्वयं खुद हार्ड पेशेंट हैं और उनके माता-पिता दोनों का देहांत हो गया है घर की भी पूरी जवाबदारी घर पर भी घर का निर्माण कार्य चल रहा है बहू बेटों की परवरिश करना परिवार की परवरिश करने के बावजूद भी एस आई आर का कार्य सत प्रतिशत पूर्ण करके एक इतिहास बनाया जो कि मध्य प्रदेश के उन बी एलओ के लिए एक उदाहरण जबकि कहीं मतदान केंद्र की बी एलओ मतदाता ढूंढते हुए दिखाई दिए वहीं खुद स्वयं मतदान केंद्र क्रमांक 27 के बी एलओ मैडम श्रीमती सुनीता देवी सिसोदिया अपने केंद्र के तमाम मतदाताओं के घर-घर पहुंचकर उनके फार्म में जमा किए जो कि बाहर रहने वाले मतदाताओं के फोन नंबर कनेक्ट कर उनको इस बात की सूचना देकर उन्हें तुरंत उनके डॉक्यूमेंट मंगवा कर जो गांव में नहीं बहुएं आई उनका 2003 के माता-पिता का डाटा भी खुद स्वयं बी एलओ सुनीता देवी ने फोन के माध्यम से कनेक्ट कर मंगवा कर फॉर्म कंप्लीट कर ऑनलाइन किया है जबकि ऐसा एस आई आर मे मतदाताओं को समझ नहीं पड़ रही थी जहां श्रीमती सिसोदिया ने जान की बाजी लगाकर दिन-रात मेहनत कर एस आई आर के तमाम फॉर्म को कंप्लीट कर ऑनलाइन कर दिया है इतने गंभीर परिस्थितियों से भी गुजर रही बी एलओ ने शासन द्वारा दी गई जवाबदारी को पूर्णता से निभाया गया है जो की विभागीय स्तर पर एक अति महत्वपूर्ण कार्य की श्रेणी में आता है।

राजेश चौहान विशाल हिंदू सेना संगठन पत्रकार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नियुक्त

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विशाल हिंदू सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शीतल ठाकुर की अनुशंसा पर राजेश चौहान को आगामी आदेश तक संगठन का जिला अध्यक्ष (पत्रकार प्रकोष्ठ) नियुक्त किया गया है। जारी आदेश में बताया गया कि चौहान संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए कार्य करेंगे और प्रत्येक माह अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी। संगठन ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनके नेतृत्व में जिले में संगठन की गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी। चौहान की नियुक्ति पर क्षेत्र मे हर्ष व्याप्त है तथा इष्ट मित्रों एवं पत्रकार साथियों उन्हें बधाई दी।

जैविक हाट में लोगों ने दिखाई रुचि, जैविक हाट प्रत्येक रविवार को मंडी प्रांगण में लगेगा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैविक उत्पादों के प्रति लोगों में बढ़ते हुए रुझान को देखते हुए एक अनूठी पहल के तहत जिला प्रशासन एवं किसान कल्याण तथा कृषि विभाग के सहयोग से कृषि उपज मंडी जबलपुर के प्रांगण में साप्ताहिक जैविक हाट का शुभारंभ आज रविवार को जिला पंचायत के सीईओ अभिषेक सिंह गहलोत ने किया। जैविक हाट में आम लोगों ने खासी रुचि दिखाई एवं सैकड़ो की संख्या में आकर साग-भाजी, फल-फूल और अनाज खरीदें। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार जैविक हाट प्रत्येक रविवार को मंडी प्रांगण में लगेगा। जैविक हाट के शुभारंभ के अवसर पर श्री गहलोत ने किसानों से बातचीत कर यह जाना कि बिना रासायनिक आदान सामग्री के सब्जी को कैसे उगाते हैं। उन्होंने हाट में लगे जैविक उत्पादों के स्टॉलों का अवलोकन भी किया। किसानों ने श्री गहलोत को जीवामृत, घन जीवामृत, ब्रह्मास्त्र, पंचपरनी काढ़ा एवं अन्य जैविक आदान सामग्री के उपयोग के तरीके बताये। इस अवसर पर उप संचालक कृषि डॉ एस के निगम, सहायक संचालक कृषि रवि आम्रवंशी, कीर्ति वर्मा एवं इंदिरा त्रिपाठी भी जिला पंचायत के सीईओ के साथ थे। जैविक हाट में शहपुरा के फल उत्पादक कृषक केपी सिंह के बाग के अमरुद अपने स्वाद एवं मिठास के कारण चर्चा का विषय रहे। अर्चना प्राकृतिक खेती केन्द्र ने खाद्य सामग्री प्रस्तुत की। टमाटर, लौकी, मूली एवं गाजर, विभिन्न प्रकार की पत्तेदार भाजी व अनाज भी जैविक हाट पर उपलब्ध रहे। जैविक हाट आयोजन में आत्मा परियोजना की नमिता उरकुड़े, मंडी सचिव राजेश सैयाम, रजनीश दुबे, रोहित गुप्ता, रश्मि परसाई, एवं विभागीय अधिकारियों की सहभागिता भी रही।

किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन आज से

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शासन के निर्देशानुसार जबलपुर जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान का उपार्जन सोमवार एक दिसम्बर से शुरू किया जायेगा। धान उपार्जन के लिए जिले में 55 खरीदी केन्द्र स्थापित किये गये हैं। खरीदी केन्द्रों पर सभी जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई है। किसानों से धान कॉमन 2 हजार 369 रूपये प्रति क्विंटल तथा धान ग्रेड-ए 2 हजार 389 रूपये प्रति क्विंटल की दर पर खरीदी जायेगी। किसानों से उपार्जन केन्द्रों पर धान की खरीदी सप्ताह में पांच दिन सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक की जायेगी। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने उपार्जन व्यवस्था से जुड़े सभी अधिकारियों को वास्तविक किसानों से और एफएक्यू क्वालिटी का धान का उपार्जन करने की सख्त हिदायत दी है। उन्होंने खरीदी व्यवस्था का अनुचित लाभ उठाने की कोशिश करने वाले बिचौलियों अथवा व्यापारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं। श्री सिंह ने अधिकारियों से कहा है कि खरीदी केन्द्रों पर किसानों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाये। प्रत्येक खरीदी केन्द्रों पर एफएक्यू मापदंड के नमूने प्रदर्शित करने के निर्देश भी उन्होंने अधिकारियों को दिये हैं। कलेक्टर ने किसानों से भी अपील की है कि किसी भी तरह की असुविधा से बचने के लिए साफ-सफाई कर एवं सुखाकर ही अपनी उपज विक्रय हेतु उपार्जन केन्द्रों पर लेकर आयें। उन्होंने किसानों से अपना बैंक खाता एवं मोबाइल नंबर आधार से लिंक कराने के बाद ही स्लॉट की बुकिंग करने तथा उपज की तुलाई के बाद उपार्जन केन्द्र से तौल पर्ची और उपार्जन पोर्टल की पावती प्राप्त करने का आग्रह भी किया है। कलेक्टर कार्यालय की खाद्य शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसानों से धान का उपार्जन स्लॉट बुकिंग के आधार पर किया जायेगा। किसान स्लॉट की बुकिंग www.mpeupar-jan.nic.in पर कर सकेंगे। किसान उपार्जन अवधि के आखिरी दस दिन को छोड़कर स्लॉट बुक कर सकेंगे। स्लॉट बुकिंग की अवधि सात दिन की होगी। संबंधित उपार्जन केन्द्र की तौल क्षमता अनुसार स्लॉट की बुकिंग की जायेगी। किसानों को स्लॉट की बुकिंग विक्रय की जाने वाली पूरी मात्रा के लिए करनी होगी। आंशिक स्लॉट बुकिंग अथवा उपज का आंशिक विक्रय नहीं किया जा सकेगा। किसानों द्वारा स्लॉट बुक करनें के समय पोर्टल पर उनके उस आधार लिंक बैंक खाता नंबर एवं बैंक का नाम प्रदर्शित होगा, जिस पर समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान का भुगतान किया जाना है। पोर्टल पर प्रदर्शित बैंक खाते को किसानों को अपने बैंक खाते की पासबुक से मिलान करना होगा और उनके द्वारा इसका सत्यापन करने के बाद ही स्लॉट की बुकिंग हो सकेगी।

आर्चाय श्री एवं मुनी श्री की होगी मंगल अगवानी

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिगम्बर समाज अध्यक्ष सुनिल जैन एव शरद जैन,मुकेश जैन ने बताया कि सोमवार सुबह 9,15 बजे कोटा फाटक ब्रिज से आचार्य भगवन् श्री आर्जवसागर जी महाराज ससंघ मुनि श्री भाग्यसागर जी, मुनि श्री महत् सागर जी, मुनि श्री सजग सागर जी, मुनि श्री विभोर सागर जी, मुनि श्री सानंद सागर जी आदि मुनि भगवतो की मंगल अगवानी हेतु दिगम्बर श्री संघ सहित समाजजन उपस्थित होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई दिगम्बर जैन मंदिर पहुंचेगी तत्पश्चात आर्चाय श्री धर्म सभा को संबोधित करेगे।

ग्वारीघाट से तिलहरी तक 64 करोड़ की लागत से 5.5 किमी लम्बी 2 लेन सड़क पेव्ड सोल्डर एवं आरओबी स्वीकृत

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माँ नर्मदा तट ग्वारीघाट में होने वाले ट्रैफिक जाम से अब जल्दी ही निजात मिलेगी, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने ग्वारीघाट मुक्तिधाम से तिलहरी तक बनने वाली 2 लेन सड़क को स्वीकृति दी है। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने बताया माँ नर्मदा का गौरीघाट तट न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत और अध्यात्मिक पर्यटन का भी गौरव है, बड़ी संख्या में श्रद्धालु ग्वारीघाट जाते है परन्तु परवो एवं माँ नर्मदा प्रकाट्योत्सव के अवसर पर ग्वारीघाट जाने में एक ही मार्ग होने के कारण कठिनाई और ट्रैफ़िक जाम की समस्या का सामना करना होता है इसके लिए तय किया था कि तिलहरी से ग्वारीघाट तक के मार्ग को चौड़ा एवं व्यवस्थित बनाया जाये और इसके लिए ग्वारीघाट मुक्तिधाम से तिलहरी तक 2 लेन सड़क को स्वीकृति दी गई है, लगभग 64 करोड़ की लागत से बनने वाली यह 2 लेन सड़क लगभग 5.5 किमी लम्बी होंगी जिसके बीच में रेलवे ओवर ब्रिज भी बनाया जायेगा, यह बेहतर वैकल्पिक मार्ग होगा। श्री सिंह ने बताया झंडा चौक से ग्वारीघाट मुक्तिधाम तक की सड़क पहले ही स्वीकृत हो चुकी है और इसका निर्माण भी चल रहा है, इस मार्ग को आगे बढ़ाते हुये तिलहरी तक की 2 लेन सड़क का निर्माण कार्य आगे किया जायेगा। श्री सिंह ने बताया तिलहरी से ग्वारीघाट का मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है यह मार्ग ग्वारीघाट मुक्तिधाम से प्रारम्भ होकर भटोली से होता हुआ तिलहरी में एनएच 12 जबलपुर मंडला मार्ग को जोड़ेगा, जबलपुर के पेंटीनाका, बिलहरी, तिलहरी, गौर एवं बरेला जो विकसित क्षेत्र है यहाँ से ग्वारीघाट आने वाले श्रद्धांलुओं को एक पूर्ण विकसित मार्ग इस सड़क बनने के बाद उपलब्ध होगा, इस सड़क के बनने के बाद ग्वारीघाट में मिलने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी और यह मार्ग जबलपुर में बन रही देश की दूसरी सबसे बड़ी रिंग रोड से जोड़ने का कार्य भी करेगा। श्री सिंह ने बताया जबलपुर में घाटों का विकास सरयू की तर्ज पर करने का कार्य प्रारम्भ होने वाला है, जिलहरी घाट से खारीघाट तक के घाट विकसित होने वाले माँ नर्मदा के इन सुंदर और व्यवस्थित घाटों पर पहुंचने के लिए यह सड़क जबलपुर वासियो और बाहर से आने वाले श्रद्धालु भक्तो के लिए एक सुलभ मार्ग के रूप में मिलेगी।

नाबालिक बालिका का बाल विवाह सफलता पूर्वक रोका गया

दतिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखडे के निर्देशन में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरबिंद उपाध्याय के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम ने आज दिनांक 30 नवंबर 2025 को ग्राम कमलपुरी में एक 16 वर्षीय नाबालिग बालिका का बाल विवाह सफलतापूर्वक रोका। चाइल्ड हेल्पलाइन से प्राप्त सूचना के आधार पर, श्री उपाध्याय ने तत्काल बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी, भाण्डेर सुश्री नीलम मौर्य को थाना गोदन की पुलिस टीम के साथ कार्रवाई के लिए मौके पर भेजा। मौके पर पहुँची टीम को परिजनों के असहयोग का सामना करना पड़ा। परिजनों ने लगभग 4 घंटे तक टीम को गुमराह करने का प्रयास किया और बालिका की आयु से संबंधित कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए। टालमटोल करते हुए उन्होंने शादी के माहौल में खो जाने का बहाना बनाया। परिजनों के असहयोग के बावजूद, परियोजना अधिकारी सुश्री नीलम मौर्य ने हार नहीं मानी। उन्होंने तत्काल आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रिकॉर्ड्स की जाँच करवाई। वर्ष 2006 से किए गए परीक्षण के रिकॉर्ड खंगालने पर, बालिका का नाम वर्ष 2009 के रिकॉर्ड में दर्ज मिला। इस दस्तावेज़ी प्रमाण से बालिका की सही और नाबालिग आयु की पुष्टि हुई, जिससे विवाह को तुरंत रोकने का आधार मिला। आयु की पुष्टि होते ही, सुश्री नीलम मौर्य ने तत्काल प्रभाव से विवाह रोकने हेतु बालिका के पिता एवं विवाह में शामिल होने वाले परिजनों को कानूनी नोटिस जारी किया। परिजनों द्वारा नोटिस लेने से इंकार करने पर, अधिनियम के प्रावधानों के तहत वह नोटिस तत्काल घर के मुख्य द्वार पर चस्पा करवा दिया गया। इस कठोर कार्रवाई के बाद दूल्हे पक्ष की बारात को बैरंग लौटना पड़ा। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री अरबिंद उपाध्याय ने कहा की बाल विवाह कानूनी अपराध है उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में किसी भी कीमत पर बाल विवाह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और अधिनियम का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। यह घटना जिले में बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को रोकने के लिए प्रशासन की अद्वितीय प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना प्रतिबंधित

खरगोन/ अंजू त्रिवेदी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सुश्री भव्या मित्तल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163(1) (2) के तहत खरगोन जिले की राजस्व सीमा में आगामी त्योहारों एवं विभिन्न आयोजनों के दौरान ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने आगामी 2 माह के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। आदेश के अनुसार जिले में रात्रि 10ः00 बजे से सुबह 6ः00 बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग पूरी तरह बंद रहेगा। ध्वनि प्रदूषण (विनियमन एवं नियंत्रण) नियम 2000 के शेड्यूल के अनुरूप विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित ध्वनि का स्तर मानक सीमा से बाहर प्रतिबंधित रहेगा। समस्त उत्सवों के दौरान लाउड स्पीकर, डी.जे., बैण्ड, प्रेशर हार्न तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग विहित प्राधिकारी की अनुमति के बिना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जबकि सामान्यतः अधिकतम दो मध्यम आकार के डी.जे. या लाउड स्पीकर की ही अनुमति सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदान की जा सकेगी। अतः डीजे और लाउडस्पीकर किराए पर देने वाले जिले के समस्त वेंडर को सूचित किया जाता है कि किसी भी आयोजन हेतु दो से अधिक मध्यम आकार के डीजे और लाउडस्पीकर किराए पर नहीं दिए जाएंगे। आदेश में प्रेशर हॉर्न के भंडारण और विक्रय को भी प्रतिबंधित किया गया है।

यह प्रतिबंधात्मक आदेश सर्वोच्च न्यायालय, राष्ट्रीय हरित अधिकरण और मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी विभिन्न निर्देशों के पालन में जारी किया गया है। जनसामान्य को अवगत कराने के लिए उक्त आदेश को मुनादी, चस्पदगी या अन्य माध्यम से प्रचारित करने के लिए स्थानीय निकायों, पंचायतों और थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है।

कलेक्टर ने दिये सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों का सत्यापन करने के निर्देश

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले में पदस्थ अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों, तहसीलदारों एवं उप वन मंडलाधिकारियों को समर्थन मूल्य पर धान एवं मोटा अनाज बेचने के लिए पंजीकृत सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों का 12 दिसम्बर तक सत्यापन करने के निर्देश दिये हैं। प्रदेश के कुछ जिलों में ई-उपार्जन पोर्टल पर सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों के अनुबंध दस्तावेज अपलोड नहीं पाए जाने पर फर्जी पंजीयन की आशंका को देखते हुए जारी किये गये इस निर्देश में अधिकारियों को सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों का सत्यापन पंजीयन केंद्रवार खाद्य, सहकारिता और राजस्व विभाग के अधिकारियों का संयुक्त दल गठित करने कहा गया है। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि खाद्य, सहकारिता और राजस्व विभाग का संयुक्त दल सहकारी समितियों और विपणन संस्थाओं के पंजीयन केंद्रों पर जाकर सिकमी और बटाईदार किसानों द्वारा प्रस्तुत किए गए अनुबंध दस्तावेजों की भौतिक सत्यता की गहनता से जाँच करेगा। संयुक्त दल न केवल पोर्टल पर दर्ज रकबे और फसल का मिलान अपलोड किए गए अनुबंध से करेगा, बल्कि मूल भूमि स्वामी से भी संपर्क कर यह पुष्टि करेगा कि उन्होंने वास्तव में अपनी भूमि सिकमी या बटाई पर दी है या नहीं। इसी प्रकार, वन पट्टाधारी किसानों के दावों की पुष्टि वन विभाग के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। संयुक्त दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन और कलेक्टर के अनुमोदन के बाद ही ई-उपार्जन पोर्टल पर डीएसओ लॉगिन से इसे अपडेट किया जाएगा। कलेक्टर द्वारा जारी निर्देश के मुताबिक केवल वे ही किसान अपनी फसल बेचने के लिए स्लॉट बुकिंग कर पाएंगे जिनका सत्यापन सफल रहेगा।

कार्यालय वन मंडल अधिकारी वन मंडल धार मांडव रोड (म. प्र.)

सर्व श्री को सूचित किया जाता है कि आरा मशीन संचालक प्रदीप पिता इंद्रमल काठेड़ ने अपनी आरा मशीन विनय पिता अंबाराम चौहान निवासी बदनावर को दिनांक 04/01/2019 को विक्रय कर दी गई जिससे की आरा मशीन अनुज्ञापन पत्र विनय चौहान के नाम से करने हेतु काष्ठ आधारित उद्योगों गठित राज्य स्तरीय समिति भोपाल में नामांतरण हेतु प्रकरण प्रेषित किया जाना है ।

श्री विनय चौहान निवासी बदनावर द्वारा दिनांक 14/01/2019 को प्रस्तुत कर आरामशीन नामांतरण की कार्यवाही किए जाने का अनुरोध किया है ।

आरामिल फर्म मैं हित रखने वाले किसी भी व्यक्ति या अन्य व्यक्ति को आराम मिल अनुज्ञप्ति करने में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो जाहिर सूचना के 7 दिवस के अंदर लिखित आपत्तीमय दस्तावेजों को कार्यालय वन मंडल अधिकारी वन मंडल धार को दर्ज करावे । अन्यथा आरमिल अनुज्ञप्ति नामांतरण श्री विनय चौहान निवासी चामुंडा खेड़ी रोड बदनावर जिला धार के नाम पर कर दी जावेगी। बाद गुजरे मियाद में किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी ।

अनुज्ञापन अधिकारी एवं वन मंडल अधिकारी
वन मंडल धार

सीएम मोहन यादव ने पुत्र अभिमन्यु का विवाह सामूहिक सम्मेलन में किया

राजनेताओं, संतों और प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति रही खास, 22 जोड़े बने जीवनसाथी

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पुत्र डॉ. अभिमन्यु यादव का विवाह शुक्रवार को सामूहिक विवाह सम्मेलन में हुआ। इस आयोजन में प्रदेश के अनेक वरिष्ठ राजनेता, साधु-संत और समाजसेवी शामिल हुए। विवाह समारोह की विशेषता यह रही कि मुख्यमंत्री ने अपने पुत्र का विवाह भी अन्य 21 जोड़ों के साथ सामूहिक सम्मेलन में कराया।

उज्जैन में आयोजित विवाह समारोह में योग गुरु बाबा रामदेव, बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी महाराज सहित अनेक संत उज्जैन पहुंचे। बाबा रामदेव ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा अपने पुत्र का विवाह सामूहिक सम्मेलन में कराना पूरे देश के नेताओं और उद्योगपतियों के लिए प्रेरणा है। इससे फिजूलखर्ची रुकती है और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने इस आयोजन को अद्वितीय बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजन हर शहर में होने चाहिए।

वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति से बढ़ी शोभा- कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, राज्यपाल मंगू भाई पटेल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग, करण सिंह समेत सरकार के कई मंत्रियों, विधायकों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने वर-वधू को आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं मेहमानों की अगवानी करते नजर आए।

जोड़े हुए उपहारों से सम्मानित- सभी 22 नवविवाहित जोड़ों को मुख्यमंत्री और उनके परिवार की ओर से मोटरसाइकिल, अलमारी, सोफा सेट, मंगलसूत्र, चांदी के आभूषण, बर्तन सहित गृहस्थी का आवश्यक सामान उपहार में दिया गया। वहीं अखाड़ा परिषद की ओर से प्रत्येक जोड़े को एक-एक लाख रुपये भेंट किए गए।

सामूहिक विवाह की खासियतें

कुल 22 जोड़े विवाह बंधन में बंधे

सीएम मोहन यादव ने पुत्र का विवाह भी सामूहिक सम्मेलन में किया

बाबा रामदेव, पंडित धीरेंद्र शास्त्री और कई संत हुए शामिल

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया व राज्यपाल मंगू भाई पटेल भी पहुंचे

सभी जोड़ों को मोटरसाइकिल सहित गृहस्थी का सामान भेंट

अखाड़ा परिषद ने प्रत्येक जोड़े को 1 लाख रुपये दिए

महाराष्ट्र से बरामद कर लाई गई धोखाधड़ी कर बेची जेसीबी

गिरोह के तीन सदस्य गिरफ्तार, किराए पर अनुबंध करने वाले की तलाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। किराये पर जेसीबी लेकर गिरोह के 4 सदस्यों ने महाराष्ट्र ले जाकर 8 लाख में बेच दी। जेसीबी मालिक को किराया नहीं मिला तो उसने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई। पांच माह बाद पुलिस ने 3 सदस्यों से पूछताछ कर उनकी निशानदेही पर एक टीम महाराष्ट्र के धूलिया से बरामद की है।

ग्राम भीलखेड़ा में रहने वाले रवि मालावत ने 1 जुलाई को पानबिहार पुलिस चौकी को शिकायत दर्ज कराई थी कि एक माह पहले इंदौर का रहने वाला शाहरूख उसके पास आया था और जेसीबी किराये पर ली थी। उसने प्रतिमाह रूपये देने की बात कही थी, लेकिन एक माह बीतने के बाद उसका मोबाइल बंद आ रहा है। उसने किराया भी नहीं दिया है। चौकी प्रभारी जयंत डामोर ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। इस बीच पता चला कि रतलाम पुलिस ने इसी तरह किराये पर डंपर लेकर ठिकाने लगाने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। जेसीबी के संबंध में आरोपियों से पूछताछ के लिये एक टीम रतलाम भेजी गई। जहां रतलाम पुलिस की हिरासत में धूलिया महाराष्ट्र के इब्राहिम, इंदौर के नईम खान और रईस खान निवासी उन्हेल ने शाहरूख के साथ मिलकर जेसीबी को ठिकाने लगाने की बात कबूल कर ली। चौकी प्रभारी ने तीनों का पूछताछ के लिये न्यायालय से प्रोटेक्शन रिमांड मांगा। जिसके मिलने पर तीनों आरोपियों को पानबिहार लाया गया, जहां पूछताछ में पता चला कि गिरोह का सरगना नईम है, उन्होने शाहरूख के साथ मिलकर जेसीबी महाराष्ट्र के धूलिया में 8 लाख में बेच दी है। प्रभारी जयंत डामोर टीम के साथ जेसीबी बरामद करने के लिये महाराष्ट्र पहुंचे जहां से रविवार तक जेसीबी को पानबिहार लाया गया। चौकी प्रभारी से चर्चा करने उन्होने बताया कि जेसीबी ठिकाने लगाने वाले गिरोह का सदस्य शाहरूख फरार है, जिसकी तलाश जारी है। तीनों आरोपियों का रविवार को प्रोटेक्शन रिमांड खत्म होने पर न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। गिरोह ने जेसीबी महाराष्ट्र के धूलिया में दिनेश पाटिल को बेची थी। 8 लाख में सौदा करने के दौरान उन्होने फर्जी मालिक का फोटो लगाकर एग्रीमेंट तैयार कराया था। सौदा करने के बाद दिनेश ने नईम खान को रूपये दिये थे। जेसीबी किराये पर लेने से पहले नईम से सोशल मीडिया पर रवि मालावत के पास जेसीबी होने और किराये पर देने की पोस्ट देखी थी। उसने शाहरूख को भीलखेड़ा भेजा था और किराये की बात तय की थी।

उज्जैन में सर्दी का असर बढ़ा, दो दिनों में दिन और रात का पारा गिरा

न्यूनतम तापमान में 2.5 डिग्री की गिरावट, अधिकतम तापमान भी 2 डिग्री लुढ़का

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिछले 48 घंटों में उज्जैन में मौसम ने एक बार फिर सर्दी के तेवर दिखाए हैं। रात का तापमान अचानक 2.5 डिग्री गिर गया है, वहीं दिन के तापमान में भी 2 डिग्री की गिरावट देखी गई है। इसके कारण शहर में तीखी सर्दी का अहसास होने लगा है, और लोग ठंड से बचने के लिए रजाई, हीटर और गर्म कपड़ों का सहारा लेने लगे हैं।

वेधशाला अधीक्षक डॉ. आरपी गुप्त ने बताया कि दो दिन पहले 28 नवंबर को शहर का अधिकतम तापमान 29 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 15.5 डिग्री दर्ज हुआ था। 48 घंटे में आज सुबह न्यूनतम तापमान 2.5 डिग्री घटकर 13 डिग्री पर आ गया। वहीं कल अधिकतम तापमान 2 डिग्री गिरकर 27 डिग्री रह गया था। उन्होंने बताया कि यह गिरावट शीतलहर और बर्फीली हवाओं के कारण हुई है, जो उत्तर भारत के विभिन्न इलाकों से आ रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आगामी दिनों में भी सर्दी की चपेट बढने् के आसार हैं, जिससे ठंड में और इज़ाफा हो सकता है। इधर सर्दी बढने् से नागरिक जीवन प्रभावित हुआ है और सर्दी के कारण लोग घरों में रजाई और हीटर का इस्तेमाल करने लगे हैं। वहीं बाजारों में गर्म कपड़ों की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है तथा सडक् पर हल्की धुंध और ठंडी हवाएं लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में अधिक सर्दी का पूर्वानुमान जताया है, और कहा है कि ठंड के असर में और बढ़ोतरी हो सकती है। साथ ही शीतलहर की स्थिति को लेकर अलर्ट भी जारी किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय ख्याती प्राप्त खगोलशास्त्री, इतिहासकार, यूट्यूबर एवं प्रख्यात विचारक नीलेश ओक देंगे 'रामायण', महाभारत और 'भारतीय सभ्यता की प्राचीनता' पर वैज्ञानिक प्रमाण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वाकणकर शोध संस्थान, उज्जैन एवं अवंतिका विश्वविद्यालय, लेकोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में इतिहास और विज्ञान के महा-संगम पर द्वि-दिवसीय विशेष व्याख्यानमाला का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक ज्ञान यज्ञ का साक्षी उज्जैन की पावन भूमि बनेगी।

इस व्याख्यानमाला में प्रख्यात इतिहासकार, खगोलशास्त्री, एवं प्रतिष्ठित यूट्यूबर नीलेश ओक अपने शोध के आधार पर इतिहास के रोचक तथ्यो को स्पष्ट करेंगे। श्री ओक का शोध सिर्फ जानकारी नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास की सदियों पुरानी पहेलियों का निर्णायक समाधान है।

प्रथम दिवस मंगलवार 2 दिसम्बर को सायं 6:30 से सायं 8:00 बजे तक वाकणकर शोध संस्थान में 'तकनीक जो समय से आगे थी!' अंतर्गत रामायणः महाकाव्य, धर्मग्रंथ या प्राचीन भारतीय विज्ञान का विश्वकोश? विषय पर व्याख्यान होगा। यह व्याख्यान रामायण में निहित अत्यधिक उन्नत विज्ञान के साक्ष्यों को उजागर करेगा। श्री ओक यह बताएंगे कि कैसे रामायण केवल एक धर्मग्रंथ न होकर भूगोल, अभियांत्रिकी, उन्नत तकनीक आदि के साक्ष्यों से परिपूर्ण एक विश्वकोश है। द्वितीय दिवस 'भारतीय सभ्यता इतिहास की सबसे प्राचीन धरोहर' अंतर्गत काल गणना का प्रमाण = भारतीय सभ्यता की अविश्वसनीय प्राचीनता पर व्याख्यान बुधवार 3 दिसम्बर को अपराह्न 3 से 5 बजे तक अवंतिका विश्वविद्यालय लेकोड़ा में होगा। इस व्याख्यान में नीलेश ओक खगोलीय साक्ष्यों और आधुनिक उपकरणों का उपयोग करके प्राचीन भारतीय कालक्रम को प्रमाणित करेंगे। यह व्याख्यान, सिंधु घाटी से भी प्राचीन भारत के अस्तित्व को सिद्ध करने वाले निर्णायक प्रमाणों को प्रस्तुत करेगा, जो किताबों में वर्णित इतिहास को बदलने की क्षमता रखता है।

केन्द्रीय जेल में शिविर लगाकर बंदियों का किया दंत परीक्षण

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केन्द्रीय जेल भैरवगढ़ में शनिवार को लोक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग अरबिंदो दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर द्वारा इंदौर सेवा समिति और उज्जयिनी सेवा समिति के सहायोग से निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जेल अधीक्षक मनोज कुमार साहू ने बताया कि इस दौरान 90 पुरूष बंदी, 5 महिला बंदी के साथ जेल स्टॉफ के 7 सदस्यों द्वारा परीक्षण कराया गया। जिसमें 12 पुरूष और 4 महिला बंदियों के दांत निकाले गये। पांच जेल स्टॉफ के साथ 3 बंदियों के दांतों की सफाई की गई। 1 बंदी के साथ 2 स्टॉफ सदस्यों के दांत में मसाला भरा गया। वहीं 2 बंदियों की बायोप्सी जांच की गई। शिविर के शुभारंभ से पहले निःशुल्क सहायता के तत्पर रहने वाले सेवा समिति के सदस्यों का पुष्पमाला से स्वागत किया गया और दीप प्रज्वलित कर दंत परीक्षण शिविर की शुरूआत की गई। इस दौरान जसमनसिंह डावर उप अधीक्षक (प्रशा.), सुरेश गोयल सहायक अधीक्षक, डॉ. मोहम्मद फारूक खान और जेल चिकित्सक के साथ पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा।

भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग 25 दिसंबर से बंद... ऑफलाइन व्यवस्था रहेगी

नए साल के दौरान 10 लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान, महाकाल के दरबार में होगी विशेष व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नए साल के आगमन के अवसर पर महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ेगा। मंदिर प्रशासन ने आगामी 25 दिसंबर से भस्म आरती की ऑनलाइन बुकिंग बंद करने का निर्णय लिया है। इस दौरान श्रद्धालुओं को भस्म आरती में प्रवेश के लिए ऑफलाइन व्यवस्था के तहत अनुमति दी जाएगी।

महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन का अनुमान है कि इस अवधि में करीब 10 लाख से अधिक भक्त महाकाल के दर्शन के लिए उज्जैन पहुंचेंगे। भस्म आरती में अधिक संख्या में श्रद्धालुओं को शामिल करने के लिए एक नया दर्शन प्लान तैयार किया गया है, ताकि किसी भी भक्त को निराश न लौटना पड़े। अधिकारियों के अनुसार 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक महाकाल मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ेगी। भस्म आरती में प्रवेश के लिए एक दिन पहले श्रद्धालुओं को आकर फॉर्म भरना होगा। दर्शन की अनुमति केवल दर्शनार्थियों की संख्या के आधार पर दी जाएगी। इसके साथ ही, भस्म आरती में चलायमान दर्शन की व्यवस्था भी लागू की जाएगी, ताकि अधिक भक्तों को दर्शन का अवसर मिल सके।

विशेष दर्शन व्यवस्था- सहायक प्रशासक आशीष फलवाडिया ने बताया कि श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। भक्तों को कर्कराज मंदिर, भील समाज धर्मशाला, नृसिंह घाट, इम्पीरियल होटल के पास, और मन्नत गार्डन जैसे स्थानों पर पार्किंग सुविधा दी जाएगी। इसके बाद श्रद्धालु शक्तिपथ से होते हुए महाकाल महालोक के रास्ते मंदिर में प्रवेश करेंगे। दर्शन के लिए श्रद्धालुओं को एक खास रास्ते से मंदिर में प्रवेश कराया जाएगा, जिससे भीड़ कम हो सके।

इस कारण बंद करते हैं ऑनलाईन बुकिंग

25 दिसंबर से 5 जनवरी तक महाकाल मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ का अनुमान

ऑनलाइन बुकिंग की जगह ऑफलाइन व्यवस्था लागू

भस्म आरती में श्रद्धालुओं को चलायमान दर्शन का मौका मिलेगा

श्रद्धालुओं को पार्किंग से लेकर दर्शन तक विशेष व्यवस्था।

निरंकारी दासो ने चरक, वाग्देवी वाटिका में हटाई खरपतवार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। निरंकारी मिशन समिति द्वारा सतत वायु अभियान के तहत नवंबर सप्ताह के अंतिम रविवार को शपथ अनुसार निरंकारी दासो ने विक्रम विश्वविद्यालय के चरक वाटिका ओर वाग्देवी वाटिका में रोपित पौधों को संरक्षित करने के उद्देश्य से पौधों के आसपास की खरपतवार को हटा कर उन्हें बड़े होने में सहायता प्रदान की।

उज्जैन जोनल इंचार्ज महात्मा राजकुमार गंगवानी ने बताया कि वृक्षारोपण करने का उद्देश्य है कि वृक्षों से स्वच्छ वायु ओर स्वच्छ वातावरण देश में निर्मित हो। वही पौधों को रोप कर उनको अकेला नहीं छोड़ना उन्हें वृक्ष बनने तक उनकी देखभाल करना भी हमारा दायित्व है। जिसके तहत निरंकारी दास कार्य करते है। आज जो हम फल खा रहे वो हमारे बुजुर्गो ने बोया था जो हम आज बोयेंगे उसे अपने आने वाली पीढ़ी खाएगी। माता जी अक्सर यह बात कहते हे कि वन नेस वन मतलब की आपको पौधों को बो कर उनका ध्यान रखना है। उज्जैन मुखी त्रिलोक बेलानी ओर सहायक मीडिया प्रभारी विनोद गज्जर ने बताया कि सद्गुरु माता सुदीक्षाजी ओर राजपिता के आशीर्वचन को मान में रखते हुए पौधारोपण कर उनकी देखभाल करना ओर उनको संरक्षित रखा जाए इस उद्देश्य से हर महीने के लास्ट रविवार को उनके आसपास की खरपतवार को हटाते हैं। वही आगे बताया कि मिशन के अंतर्गत साल में तीन गतिविधियां चलती हैं जिसमें वृक्षारोपण, ब्लड डोनेशन, ओर स्वच्छता अभियान किया जाता है। जो माता जी के आशीर्वाद से आगे भी सतत चलता रहेगा। रतलाम से पधारे जोनल इंचार्ज ने इस मौके पर पौधा रोपण भी किया, ओर पूर्व में बोए पौधों को बड़ा होते देख खुशी जाहिर की। जानकारी सहायक मीडिया प्रभारी दास विनोद गज्जर ने दी।

हंगामा करने से रोका तो हुआ विवाद, 6 घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। घर के बाहर शराब पीकर हंगामा कर रहे पिता पुत्र को रोकने की बात पर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया एक ओर से डंडे चलाए गए दूसरी ओर से पत्थर फेके गए। दोनों पक्ष से 6 लोग घायल हुए हैं। झारडा थाना क्षेत्र के ग्राम काचरिया में रहने वाली मनीषा पिता भवरलाल सूर्यवंशी 16 वर्ष में अपने घर के बाहर शराब पीकर हंगामा कर रहे जितेंद्र और उसके पिता नारायण को रोकने का प्रयास किया और जाने की बात कही, लेकिन नशे में धुत पिता पुत्र ने गाली गलौज शुरू कर दी। मनीषा के पिता भंवरलाल और भाई पारस, दिलीप शराबी पिता पुत्र को रोकने के लिए आए तो विवाद बढ़ गया। पिता पुत्र ने फावड़े के डंडे से मनीषा, उसके पिता भंवरलाल और दोनों भाई पारस, दिलीप पर हमला कर दिया। मनीषा के परिवार ने भी पत्थर बाजी की जिसमें जितेंद्र और उसके पिता नारायण घायल हो गए। 6 लोगों के घायल होने पर उन्हें उपचार के लिए रात में उपचार के लिए उज्जैन अस्पताल लाया गया है। दोनों पक्ष एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप कर रहे हैं। पुलिस घायलों के बयान दर्ज कर जांच करेगी।

एक अन्य मामले में महिला से मारपीट- ग्राम गुरखेड़ी में संतोषबाई पति बनेसिंह मालवीय और उसके भानेज अर्जुन को चरक अस्पताल में भर्ती किया गया है। संतोषबाई ने बताया कि वह खेत में पाइप बिछा रही थी, इसी बात का विरोध काका ससुर कन्हैयालाल, हाकम और राहुल ने करते हुए मारपीट की है। अर्जुन और संतोषबाई को उपचार के लिए भर्ती कर अस्पताल पुलिस चौकी को सूचना दी है।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने बाबा महाकाल के दर्शन किए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामूहिक विवाह समारोह में शामिल होने के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस जितेन्द्र माहेश्वरी आज उज्जैन पहुंचे।समाजसेवी रोहित मित्तल एवं संजय अग्रवाल ने बताया कि उज्जैन आगमन के दौरान जस्टिस माहेश्वरी ने सर्वप्रथम विश्वप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दरबार में पहुंचकर दर्शन-पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

16 दिसंबर से शुरू होगा खरमास... मांगलिक कार्यों पर ब्रेक

सूर्य के धनु राशि में गोचर से लेकर 14 जनवरी 2026 तक रहेगा प्रभाव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष 2025 में खरमास 16 दिसंबर से आरंभ होकर 14 जनवरी 2026 तक चलेगा। इस दौरान सूर्य के धनु राशि में गोचर करने के बाद मांगलिक कार्यों पर रोक लग जाती है। खासकर विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्यों की तिथि इस अवधि में स्थगित कर दी जाती है।

उल्लेखनीय है कि खरमास का समय हिंदू धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है, जिसमें शुभ कार्यों के लिए ग्रहों की स्थिति अनुकूल नहीं मानी जाती है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार सूर्य के धनु राशि में प्रवेश करते ही इस माह का आरंभ होता है, और सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करते ही यह समाप्त हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस अवधि में सूर्य और बृहस्पति का मिलन होने से शुभ कार्यों की शुभता प्रभावित होती है। सूर्य की ऊर्जा में कमी आने के कारण इस दौरान कोई भी मांगलिक कार्य जैसे विवाह, मुंडन, जनेऊ संस्कार या गृह प्रवेश करने से परहेज किया जाता है।

इन मांगलिक कार्यों पर लगेगी रोक- विवाह, गृह प्रवेश, नया व्यापार शुरू करना, मुंडन या जनेऊ संस्कार, नया निवेश, संपत्ति क्रय या वाहन खरीद, धार्मिक मान्यता के अनुसार खरमास में किए गए किसी भी शुभ कार्य का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता और उस कार्य में विघ्न उत्पन्न हो सकते हैं। इस अवधि में शुभ कार्यों की समय-सीमा को बदलने की सलाह दी जाती है ताकि कार्यों में कोई विघ्न न आए।

धन्वंतरी चिकित्सालय एवं महाविद्यालय परिवार ने आयोजित किया विदाई समारोह

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धन्वंतरि आयुर्वेदिक चिकित्सालय बुधवारिया में वरिष्ठ कंपाउंडर के पद पर कार्यरत एवं मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के पूर्व संभागीय अध्यक्ष हेमंत आचार्य के सेवानिवृत होने पर धन्वंतरी चिकित्सालय एवं महाविद्यालय परिवार द्वारा विदाई समारोह आयोजित किया गया।

समारोह में हेमंत आचार्य द्वारा अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि मैं सेवा से जरूर निवृत हो रहा हूं परंतु मेरा मन सदैव आप सभी साथियों के साथ एवं संगठन के पदाधिकारी के साथ रहेगा और यह मेरा सेवा परिवर्तन है। संगठन के कार्य के लिए हमेशा उपस्थित रहूंगा, जिससे कि अपने कर्मचारी साथियों की एवं समाज की सेवा कर सकूं। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री रमेश चंद्र शर्मा, प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी, पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष अनोखीलाल शर्मा, डॉ. सतुआ, डॉ. रामतीर्थ शर्मा, डॉ अनिल पांडे, नवल सिंह यादव आदी।

5 वर्षों में 500 से अधिक लोग हुए लापता, कुछ ही वापस लौटे

150 का अभी तक पता नहीं लगा पाई पुलिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी रिकार्ड के मुताबिक उज्जैन में पिछले पाँच सालों करीब 500 लोग गायब हो चुके हैं। यानी हर माह में औसतन 8 से ज्यादा लोग लापता हुए। इनमें मिलने वालों की संख्या बहुत कम है लेकिन अभी भी पुलिस रिकॉर्ड में 150 लापता ऐसे हैं जिनका कोई पता नहीं चला और पुलिस ने इन मामलों का एक तरह से खात्मा कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से इस साल अभी तक करीब सैकड़ों लोग अचानक गायब हुए। इनमें पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या अधिक हैं। सभी मामलों में परिजनों ने संबंधित थानों में गुमशुदगी व अपहरण का केस दर्ज करवाया है, वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर सभी की तलाश शुरू कर दी है। चिंता की बात यह हैं कि हर साल यह आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा हैं। बड़ा सवाल यह है कि आखिर गायब लोग भूले-भटके भी मिलते क्यों नहीं है? इसी सवाल का जवाब खोजने के लिए पड़ताल की गई तो पता चला कि पुलिस थानों में किसी की भी गुमशुदगी दर्ज होने के बाद उसकी खोजबीन के नाम पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। शहरी क्षेत्र हो या देहात पुलिस का रवैया एक जैसा रहता है। यही कारण है कि जिले में लापता होने वालों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। आम तौर पर पुलिस गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने के बाद परिजनों को ही खोजबीन करने में लगा देती है।

कहने को पुलिस उन्हें आश्वासन तो देती है कि उनकी खोजबीन जारी है, लेकिन वे परिजनों से यह हमेशा कहते हैं कि आपको कहीं कोई सुराग मिल जाए तो हमें जरूर बताना। मिलने वालों में अधिकांश गुमशुदा ऐसे हैं, जो गलती से चले गए थे और खुद-ब-खुद ही लौट आए हैं। सच तो यह है कि पुलिस ऐसे मामलों में सुस्त नजर आती है। यही कारण है कि गुमशुदा लोगों का आंकड़ा उज्जैन सहित प्रदेश में तेजी से बढ़ता जा रहा है। इधर पुलिस अफसरों का दावा है कि थाना स्तर पर पुलिस बल गुमशुदा की तलाश के लिए हर संभव प्रयास करता है, बावजूद, पुलिस रिकार्ड में गुमशुदा की संख्या कम क्यों नहीं हो रही है? इसका जवाब किसी के पास नहीं है। उल्लेखनीय है कि बच्चा चोरी की घटनाएँ समय-समय पर होती रहती है और यह भी खबरें आती रहती है कि लड़कियों को चुराकर बाहर के देशों में भेजकर उनसे गलत काम कराए जाते हैं। ऐसे में परिवारों को चाहिए कि वे अपने बच्चों की विशेष सुरक्षा पर ध्यान दें। पुलिस द्वारा तो इसके लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी कर चेतावनी दी जाती है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री
॥ गीता जयन्ती ॥
अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
के आह्वान पर
प्रदेश के 313 विकासखंड, 55 जिला मुख्यालय एवं 10 संभाग
श्रीकृष्ण परंपरा के आचार्यों की सन्निधि में 3 लाख से अधिक गीताप्रेमी श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय का सस्वर पाठ करेंगे
उज्जैन- प्रातः 9 बजे | इंदौर सहित सभी जिला मुख्यालय, विकासखण्ड- प्रातः 11 बजे | भोपाल- दोपहर 1 बजे
1 से 3 दिसंबर 2025
दशहरा मैदान, उज्जैन
1 दिसंबर 2025 | सायं : 7 बजे
जय श्रीकृष्णा - नृत्य नाट्य
निर्देशन - पुनीत इस्सर, मुम्बई
2 दिसंबर 2025 | सायं : 7 बजे
विराटजयी - काव्य प्रस्तुति
वैष्णवी शर्मा, नई दिल्ली
कृष्णायन
कथाकार : मोहित शेवानी, मुंबई
3 दिसंबर 2025 | सायं : 7 बजे
विश्ववंदनीय
संगीत एवं निर्देशन : उमेश तरकसवार
परिकल्पना एवं आलेखन - डॉ. वीनस तरकसवार
नृत्य संरचना - श्वेता देवेन्द्र, भरतनाट्यम
क्षमा मालवीय, कथक
कविता शाजी, मोहिनीअट्टम
गीता ऑन व्हील्स
निर्देशन : डॉ. सलाउद्दीन पाशा, बैंगलोर
प्रदर्शनी
माधव दर्शनम्
लघुचित्र शैली में प्रदर्शनी
1 दिसंबर 2025, इंदौर
सायं : 6 बजे
लोकार्पण
गीता भवन - गोपाल मंदिर
राजवाड़ा, इंदौर
मुख्य अतिथि
नायब सिंह सैनी
मुख्यमंत्री, हरियाणा
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
कृष्णायन - नृत्य नाटिका
निर्देशन -संजीव मालवीय, उज्जैन
1 दिसंबर 2025
हंसध्वनि सभागार, भोपाल | सायं : 6 बजे
गीता ऑन व्हील्स
निर्देशन : डॉ. सलाउद्दीन पाशा, बैंगलोर
श्रीमद्भगवद्गीता- नृत्य नाटिका
विश्व गीता प्रतिष्ठानम्
कृष्णायन
कथाकार : मोहित शेवानी, मुंबई
24 नवंबर से 5 दिसंबर 2025
कुरुक्षेत्र, हरियाणा
जय श्रीकृष्णा - नृत्य नाट्य
निर्देशन - पुनीत इस्सर, मुम्बई
श्रीकृष्ण - नृत्य नाट्य
निर्देशन -रचना मिश्रा, भोपाल
श्रीकृष्ण लीला
निर्देशन -शिरीष राजपुरोहित, उज्जैन
कृष्णायन
कथाकार : मोहित शेवानी, मुंबई
चित्र प्रदर्शनी
श्रीमद्भागवतपुराण एवं मध्यप्रदेश में श्रीकृष्ण
शिल्प मेला
मध्यप्रदेश के पारंपरिक विविध माध्यमों के शिल्प
स्वाद
मध्यप्रदेश के जनजातीय और
लोकांचलों के देशज व्यंजन
वीर भारत न्यास
मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग का आयोजन
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhypradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
D11151/25